राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 वर्ष-7,अंक-277 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति रोड शो के दौरान दिव्यांग छात्रा दीया से मिलने के लिए जीप से नीचे उतरे

वडोदरा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज के रोड शो में आज सुबह यहां अभूतपूर्व वाकया देखने को मिला। सड़क किनारे आम लोगों की तरह हाथ में पेंटिंग लेकर अभिवादन के खड़ी दिव्यांग छात्रा दीया गोसाई को देखते ही दोनों नेता उससे मिलने के लिए जीप से नीचे उतर आए। उन्होंने दीया से हाथ मिलाया और उसकी पेंटिंग स्वीकार की। दीया वडोदरा के एमएस यूनिवर्सिटी की छात्रा है। वह बेहतरीन चित्रकार है। वह अपने परिजनों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो सांचेज की खुद तैयार की पेंटिंग को लेकर पहुंची थी। रोड शो के दौरान दोनों नेता जब उसके पास से गुजरे तो सुरक्षा की परवाह न करते हुए काफिले को रुकने का इशारा किया। दीया ने दोनों नेताओं को उनके फ्रेम कराए चित्र भेंट किए। प्रधानमंत्री मोदी और स्पेन के राष्ट्रपति ने दीया के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उसे शुभकामनाएं दीं।

सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी

-कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बताया, कहा-सलमान मामले से दूर रहो

पटना । बिहार के पूर्णिया से सांसद पप्पू यादव को जान से मारने की धमकी मिली है। कॉल करने वाले ने खुद को लॉरेंस विश्नोई गैंग का सदस्य बताया है। धमकी देने वाले शख्स ने पप्पू यादव को

सलमान खान मामले से अलग रहने की हिदायत भी दी है। उसने कॉल पर कहा, सलमान के मामले से दूर रहो, हम कर्म और कांड दोनों करते हैं। धमकी देने वाले का दावा है कि लॉरेंस बिश्नोई जेल में एक लाख रुपए प्रतिघंटा देकर जैमर बंद करवाकर पप्पू यादव से बात करने की कोशिश कर रहा है, लेकिन पप्पू यादव फोन नहीं उठा रहे हैं। दरअसल, 12 अक्टूबर को मुंबई में पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। इसके बाद पूर्णिया सांसद ने सोशल मीडिया पर 24 घंटे में लॉरेंस गैंग के खात्मे की बात कही थी। वहीं पिछले गुरुवार को पप्पू यादव ने मुंबई में बाबा सिद्दिकी के बेटे जिशान सिद्दीकी से मुलाकात की थी। वो व्यस्तता के कारण एक्टर सलमान खान से मिल नहीं पाए थे। लेकिन सांसद ने अपने पोस्ट के जरिए कहा था कि वो हर परिस्थिति में सलमान खान के साथ हैं।

25 लाख दीपकों से जगमगाएगी राम नगरी, रात 12 बजे तक हो सकेंगे मंदिर भवन दर्शन

अयोध्या । भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद होने वाला पहला दीपोत्सव कई मायनों में खास होगा. अयोध्या नगरी तो लाखों दीपों से रोशन होगी ही साथ ही श्रीराम जन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर की दीपावली भी यादगार होगी. इसके लिए तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है. इस वर्ष सरयू तट पर जहां 25 से 28 लाख दीपक प्रज्वलित कर विश्व रिकॉर्ड बनाने की योजना है, वहीं श्रीराम मंदिर में विशेष प्रकार के दीपक जलाए जाएंगे. मंदिर भवन को दाग-धब्बों और कालिख से सुरक्षित रखने के लिए विशिष्ट दीपकों की व्यवस्था की है, जो लंबे समय तक प्रकाशमान रहेंगे. श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को आकर्षक फूलों से सजाने की भी विशेष योजना है. मंदिर परिसर को कई खंडों और उपखंडों में विभाजित कर सजावट का दायित्व सौंपा गया है. बिहार कैडर से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त आईजी आशु शुक्ला को मंदिर के प्रत्येक कोने को व्यवस्थित रूप से रोशन करने, सभी प्रवेश द्वारों को तोरण से सजाने, साफ-सफाई और सजावट की जिम्मेदारी सौंपी गई है. इससे श्रद्धालु मनोहारी फूलों और दीपों से सजे मंदिर का दिव्य दर्शन कर सकेंगे.

झारखंडः भाजपा ने बरहेट से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ गमालियल हेम्ब्रम को उतारा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने झारखंड विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के खिलाफ सोमवार को बरहेट सीट से युवा नेता गमालियल हेम्ब्रम को उम्मीदवार घोषित किया। झारखंड में आगामी 13 नवंबर और 20 नवंबर को 81 विधानसभा सीटों के लिए मतदान होना है जबकि मतों की गिनती 23 नवंबर को होनी है। पार्टी की ओर से जारी दो उम्मीदवारों की दूसरी सूची के मुताबिक, टुंडी विधानसभा सीट से विकास महतो भाजपा के उम्मीदवार होंगे। हेमंत सोरेन ने 2019 के विधानसभा चुनाव में बरहेट से भाजपा के सिमोन माल्टो को हराया था। इस चुनाव में हेम्ब्रम आल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के उम्मीदवार के रुप में मैदान में थे और वह तीसरे स्थान पर रहे थे। साल 2014 के विधानसभा चुनाव में हेमंत के सामने बरहेट से हेमलाल मुर्मू थे। मुर्मू को इस चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा ने इससे पहले 66 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की थी। इस प्रकार भाजपा अब तक 68 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। राज्य विधानसभा चुनाव में भाजपा का आजसू और जनता दल (यूनाइटेड) से गठबंधन है। जदयू ने दो सीटों पर उम्मीदवार उतारा है जबकि शेष सीटें आजसू के खाते में गई हैं।

मोदी ने स्पेनिश पीएम के साथ किया एयरक्राफ्ट प्लांट का किया उद्घाटन

- भारत में बनेगी सी-295 एयरक्राफ्ट, -22 हजार करोड़ की डील, 56 विमानों का होगा निर्माण

वडोदरा (एजेंसी)। गुजरात के वडोदरा में टाटा के प्लांट में 56 युद्धक विमानों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए टाटा और एयरबेस कंपनी में 22 हजार करोड़ का करार हुआ है। करार के तहत यहां 56 सी-295 विमानों का निर्माण किया जाएगा। इनमें 40 विमान भारत में और 16 विमान स्पेन में बनाए जाएंगे। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ स्पेन के राष्ट्रपति पेड्रो ने टाटा एयरक्राफ्ट कॉम्प्लेक्स का उद्घाटन किया। इसके पहले मोदी के साथ पेड्रो ने रोड शो किया।

स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज रविवार रात भारत दौरे पर पहुंचे। उन्होंने सोमवार को पीएम मोदी के साथ वडोदरा एयरपोर्ट से टाटा के प्लांट तक करीब पौने 3 किमी का रोड शो किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने सी-295 एयरक्राफ्ट के निर्माण के लिए टाटा एयरबस की असेंबली यूनिट का उद्घाटन किया।

सी-295 कार्यक्रम के तहत कुल 56 विमान हैं, जिनमें से 16 स्पेन से सीधे एयरबस की ओर से डिलीवर किए जा रहे हैं। बाकी 40 भारत में बनाए जाने हैं। टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड इन 40 विमानों को भारत में बनाएगा। स्पेन मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेनिंग और लॉजिस्टिक्स में मदद करेगा। प्रधानमंत्री सांचेज की यह पहली भारत यात्रा है। उनकी पत्नी बेगोना गोमेज भी भारत आई हैं। स्पेन के किसी भी पीएम का यह 18 साल बाद भारत दौरा है। इससे पहले जुलाई 2006 में स्पेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री जोस लुईस ने भारत की यात्रा की थी।

22 हजार करोड़ में हुई डील

प्रधानमंत्री मोदी ने सी-295-295 एयरक्राफ्ट की फाइनल असेंबली लाइन प्लांट की नींव अक्टूबर 2022 में रखी थी। इसके लिए भारत सरकार ने सितंबर 2021 में स्पेन की एयरबस डिफेंस एंड स्पेस के साथ 56 सी-295 एयरक्राफ्ट के लिए 21,935 करोड़ रूपए में डील साइन की थी। इसके मुताबिक 56 में से 40 एयरक्राफ्ट बनाने के लिए टाटा एडवांस लिमिटेड और एयरबस के बीच करार हुआ था। बाकी 16 एयरक्राफ्ट स्पेन से रेडी-टू-फ्लाई कंडीशन में भारत आने हैं। इसके लिए अगस्त 2025 की डेडलाइन रखी गई है। इसके तहत पहला एयरक्राफ्ट सितंबर 2023 में भारत आ भी चुका है। प्लांट के अधिकारियों ने बताया कि भारत में पहला सी-295 एयरक्राफ्ट सितंबर 2026 तक बनकर तैयार हो जाएगा। बाकी 39 एयरक्राफ्ट 2031 तक बनकर तैयार हो जाएंगे। इन्हें मेक इन इंडिया प्रोजेक्ट के तहत बनाया जा रहा है।

प्रियंका गांधी ने वायनाड में चुनावी अभियान का किया आगाज और मोदी सरकार पर साधा निशाना

*** इस सरकार ने योजनाबद्ध तरीके से नफरत और गुस्से को फैलाया**

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए अपने चुनावी अभियान का आगाज किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने रैली को संबोधित कर कहा कि आप सभी ने मुझे जो प्यार दिया है, उसके लिए मैं बहुत आभारी हूं। कुछ दिन पहले मैं अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए वायनाड आई थी। मैं रात में अपने होटल जा रही थी, तभी मैंने कुछ लोगों को खड़ा देखा, इसलिए मैं रुक गई और उनसे बात की। उन्होंने कहा, उनमें से एक शख्स सेना से था। शख्स ने बताया कि वह अपनी नौकरी के लिए पूरे देश में यात्रा कर चुका है। उसकी मां मुझसे मिलना चाहती थी, लेकिन वे उस जगह तक चलकर नहीं आ सकती थी, इसलिए मैंने उससे कहा कि वह मुझे अपने घर ले जाए, ताकि मैं उनसे मिल सकूं। उन्होंने मुझे पहले कभी व्यक्तिगत रूप से नहीं देखा था, लेकिन जब वह मुझसे मिलीं तब उन्होंने मुझे इस तरह से गले लगाया, जैसे मैं उनकी अपनी बच्ची हूं। उन्होंने मुझे ठीक वैसे ही पकड़ा था जैसे मेरी मां पकड़ती है। मुझे कोई अंतर महसूस नहीं हुआ। उन्होंने भाजपा पर भी हमला कर कहा, आप जानते हैं कि हम किस दौर में जी रहे हैं। केंद्र में भाजपा की मोदी सरकार है, जहां भय, अविश्वास और क्रोध विभिन्न समुदायों के बीच फैला हुआ है। आपने अल्पसंख्यकों पर इसतरह के हमले देख हैं, मणिपुर में क्या हुआ? आपने बार-बार देखा है कि कैसे यह सरकार एकजुट, योजनाबद्ध तरीके से नफरत और गुस्से को फैलाती है। हरे संविधान के मूल्यों को तोड़ा जा रहा है। प्रियंका ने कहा कि जनता की भलाई के बजाय पीएम के खास दोस्तों के पक्ष में नीतियां बनने में लगे हुए हैं। हमारे किसानों के लिए कोई दया नहीं है, जो पूरे दिन खेतों में मेहनत करते हैं। आदिवासी लोगों की परंपराओं की कोई समझ और सम्मान नहीं है, क्योंकि उनकी जमीन उनसे छीन ली जाती है और बड़े व्यापारियों को दे दी जाती है।

भाजपा नेता और एक्टर मिथुन चक्रवर्ती ने दिया विवादास्पद बयान

कोलकाता । पश्चिम बंगाल में 6 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोलकाता का दौरा किया । इस दौरान एक रैली में भाजपा नेता और वरिष्ठ अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती ने एक विवादास्पद बयान दिया । 74 वर्षीय मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, एक नेता ने कहा था कि हम यहां 70त्न मुस्लिम हैं और हिंदू यहां 30त्न हैं । हिंदुओं को काटकर भागीरथी में बहा देंगे । मैं कहता हूं कि हम तुम्हें काटकर भागीरथी में तो नहीं बहायेंगे, लेकिन तुम्हें तुम्हारी जमीन पर जरूर दफना देंगे । मिथुन चक्रवर्ती ने यह बयान तृणमूल नेता कबीर की टिप्पणी के बाद दिया है । मुर्शिदाबाद में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के उम्मीदवार के लिए प्रचार करने के दौरान कबीर ने विवादास्पद टिप्पणी की थी । एक रैली में उन्होंने कथित तौर पर कहा, आप (यहां के लोगों में) 30 प्रतिशत हैं, लेकिन हम 70 प्रतिशत हैं । अगर आपको लगता है

कि आप मस्जिदों को ध्वस्त कर सकते हैं और मुसलमान आराम से बैठ जाएंगे? तो आप गलत हैं । अगर मैं आप लोगों को भागीरथी में नहीं डुबो पाया, तो राजनीति छोड़ दूंगा । मिथुन चक्रवर्ती ने कहा, मैं मुख्यमंत्री नहीं हूं । लेकिन ये कह रहा हूं । हम बंगाल जीतने के लिए कुछ भी करेंगे । 2026 के विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में बीजेपी की सरकार आएगी । भागीरथी हमारी मां हैं । हम इसे बचाने के लिए कुछ भी करेंगे । अमित शाह के सामने ही उन्होंने कहा, हमें पैसे लेने वाले कार्यकर्ता नहीं चाहिए । अगर आप हमारे झाड़ का एक फल तोड़ोगे, तो हम आपके झाड़ का 4 फल तोड़ेंगे । इस दौरान उन्होंने बंगाल राज्य सरकार पर हिंदू समुदाय को वोट डालने की अनुमति नहीं देने का आरोप लगाया । भाजपा के सदस्यता अभियान के कार्यक्रम में वेटरन एक्टर ने कहा, हमें लड़ने वाले लोग चाहिए । ऐसे लोग चाहिए, जो खड़े होकर कह सकें कि मुझे गोली मारो । मैं देखता हूं कि तुम्हारे पास कितनी गोलियां हैं। हमें वो लोग नहीं चाहिए, जो पैसों के लिए खड़े होते हैं । मिथुन चक्रवर्ती के इस बयान के बाद तृणमूल कांग्रेस ने पलटवार किया । पार्टी महासचिव जय प्रकाश मजूमदार ने मिथुन चक्रवर्ती को एक महत्वहीन व्यक्ति करार दिया है । उन्होंने कहा, एक राजनीतिक नेता के रूप में कोई भी उन्हें गंभीरता से नहीं लेता । जिस नेता (तृणमूल के कबीर) की टिप्पणी के बारे में उन्होंने बात की थी, उसकी चुनाव आयोग ने निंदा की थी । अब अमित शाह की उपस्थिति में मिथुन चक्रवर्ती ऐसा कह रहे हैं । देखना है कि अब इस बारे में पार्टी का कदम क्या होगा?

गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति के चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा: राहुल गांधी

- नाई की दुकान का सामान खरीदते नजर आए नेता प्रतिपक्ष, अजीत ने जताया आभार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि उनका भारत के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति से वादा है कि वह उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाएंगे। उन्होंने अपने व्हाट्सऐप चैनल पर एक वीडियो साझा किया जिसमें वह नाई की दुकान के लिए जरुरी सामान खरीदते नजर आ रहे हैं जिसके साथ राहुल गांधी ने दिल्ली के उत्तम नगर स्थित उसकी दुकान पर बातचीत की थी।

राहुल ने उन सभी वस्तुओं की व्यवस्था कराई जिसकी जरूरत नाई का काम करने वाले अजीत को थी। वीडियो के साथ अपने पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा कि मेरा भारत के हर गरीब और मध्यम वर्ग के व्यक्ति से वादा है कि मैं उनके चेहरों पर मुस्कान वापस लाऊंगा। वीडियो में अजीत ने राहुल गांधी को उसकी दुकान के लिए सभी जरूरी चीजें उपलब्ध कराने के लिए आभार व्यक्त किया है। राहुल ने शुक्रवार को कहा था कि घटती आय और बढ़ती महंगाई के कारण मेहनतकश गरीब लोगों के सपने छिन गए हैं और उन्हें नई योजनाओं की जरूरत है, जिससे वे अपनी बचत घर ले जा सकें।

राहुल गांधी ने उत्तम नगर की प्रजापत कॉलोनी में एक नाई की दुकान पर जाने का अपना एक वीडियो 'एक्स' पर साझा किया था। क्लिप में वह दाढ़ी बनवाते समय नाइयों की समस्याओं के बारे में पूछते नजर आ रहे थे।

दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन में लगी आग, जान बचाने चलती ट्रेन से कूदे यात्री

*** गंधक पोटाश की वजह से हुआ विस्फोट, यात्रियों में फैली दहशत**

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोमवार शाम को रोहतक जिला के सांपला के नजदीक जींद से दिल्ली जा रही पैसेंजर ट्रेन के एक डिब्बे में आग लग गई। चलती ट्रेन में कूदने से 4 व्यक्ति घायल हो गए। यह हादसा ट्रेन में गंधक पोटाश की वजह से हुआ। हादसे की सूचना पर पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंची। पैसेंजर ट्रेन शाम 4 बजकर 20 मिनट पर रोहतक रेलवे स्टेशन से दिल्ली के लिए रवाना हुई थी। यह पैसेंजर ट्रेन करीब 30 मिनट बाद सांपला रेलवे स्टेशन पहुंची थी। वहां ठहरने के बाद यह बहादुरगढ़ के लिए रवाना हुई। पैसेंजर ट्रेन में अचानक ही एक सवारी डिब्बे में जोरदार धमाका हुआ। इसी के साथ डिब्बे में आग लग गई। धमाके की आवाज होते ही पैसेंजर ट्रेन में बैठी सवारियों में भगदड़ मच गई। चलती पैसेंजर ट्रेन में कूदने से 4 व्यक्ति घायल हो गए। इस बीच किसी ने चेन खींचकर पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के चलते पटाखों पर बैन की वजह से गंधक पोटाश खुलेआम बेचा जा रहा है। लोहे के उपकरण में एक पाइप लगा होता है, जिसमें गंधक-पोटाश का मिश्रण डाला जाता है। इसके बाद पाइप में सरिया डालकर दबाव बनाया जाता है। जिससे गंधक-पोटाश तक दबाव पड़ता है और उपकरण से तेज आवाज बाहर आती है। आवाज के साथ जहरीला धुआं भी निकलता है। इन दिनों यह पटाखों का विकल्प बन गया है। दीपावली पर पटाखों के बैन होने के चलते पोटाश व गंधक की मांग बढ गई हैं।

फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया

सूचना मिलने पर पुलिस की विभिन्न टीम मौके पर पहुंच गई। फायर टेंडर की मदद से आग पर काबू पाया गया। ट्रेन में सफर कर रही सवारियों ने बताया कि एक व्यक्ति अपने साथ गंधक पोटाश लेकर सफर कर रहा था, उसी

वजह ये यह हादसा हुआ। आग लगने की वजह से पूरा डिब्बा काला पड़ गया। धमाके की जांच के लिए फोरेंसिक एक्सपर्ट की टीम भी बुलाई गई है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि पैसेंजर ट्रेन जैसे ही सांपला रेलवे स्टेशन से रवाना हुई, उसी के साथ धमाका हो गया। यह धमाका इतना तेज था कि सवारियों में अफरा तफरा मच गई।

हम वाराणसी की पीड़िता की लड़ाई में उसके साथ हैं: लाम्बा-फोगाट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला कांग्रेस अध्यक्ष अलका लांबा तथा हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए नव निर्वाचित पहलवान विनेश फोगाट ने कहा है कि वाराणसी में पीड़ित महिला के परिजन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ-भारतीय जनता पार्टी (आरएसएस-भाजपा) नेता की सह पर जेल में है और जिस पर आरोप लगे हैं, वह छुट्टा घूम रहा है इसलिए पीड़िता की लड़ाई में वे उसके साथ खड़ी हैं और मिलकर उसकी लड़ाई लड़ेंगी।

महिला कांग्रेस अध्यक्ष एवं सुश्री फोगाट ने सोमवार को यहां कांग्रेस मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पीड़िता को आरएसएस-भाजपा नेता चार साल से दुष्कर्म की धमकियां दे रहा है, लेकिन पुलिस में शिकायत करने पर उसे जेल भेजने की बजाय पीड़िता के परिजनों को ही जेल में डाल दिया और आरोपी खुला घूम कर भाजपा नेताओं का उसे बचाने के लिए आभार जता रहा है।

श्रीमती लाम्बा ने कहा, 'बेटी बचाओ' का नारा देने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी की एक बेटी की आपबीती है जिसे भाजपा आरएसएस नेता राजेश सिंह चार साल से उसे बलात्कार की धमकियां दे रहा है और सत्ता में बैठे लोगों का फायदा उठाकर आजाद घूम रहा है, जबकि पीड़िता का परिवार जेल में है। पीड़ित महिला अपने 9 साल के बच्चे और बूढ़े मां-बाप के साथ दर-दर की ठोकरें खा रही है और न्याय की गुहार लगा रही है।÷

उन्होंने कहा, 'राजेश सिंह का ट्विटर हैंण्डल देखेंगे तो उसमें महिलाओं को बलात्कार करने की धमकियां देने का सारा सबूत है। पीड़िता ने परेशान कर रहे राजेश की शिकायत वाराणसी के डीएम से की लेकिन कुछ नहीं हुआ। फिर महिला अपने पति और भाई के साथ राजेश के घर गईं और दोनों में हाथापाई हुई। उसे जेल नहीं हुई और यह आजाद घूम कर ट्वीट कर भाजपा नेताओं को धन्यवाद दे रहा है कि उस पर उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं होने दी।'

महिला कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा की पीड़िता का परिवार और जानकार जेल में हैं, लेकिन जो धमकियां दे रहा है वह खुला घूम रहा है। उन्होंने कहा, 'हम वाराणसी के डीएम और पुलिस प्रशासन से पूछना चाहते हैं कि आखिर सैफ़रन राजेश सिंह पिछले 40 दिन से कहां है। चार साल से न्याय मांग रही महिला को न्याय नहीं मिलता है और उल्टा महिला के परिवार को ही जेल हो गई और उसके घर के कुर्की के आदेश दे दिए गए हैं।'

सुश्री फोगाट ने कहा, 'एक महिला, एक बेटी और एक विधायक होने के नाते मैं हर महिला को विश्वास दिलाती हूं कि जिस किसी को भी लगता है कि उसके साथ गलत हो रहा है, तो हम सभी उसके

साथ खड़े हैं। जो आज वाराणसी की पीड़िता के साथ हो रहा है, वैसा ही हमारे साथ भी हुआ क्योंकि हम अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की हिम्मत रखते हैं। सैफ़रन राजेश सिंह सोशल मीडिया पर महिलाओं के खिलाफ गलत बातें लिखता रहा है लेकिन भाजपा सरकार और पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।'

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

धनतेरस से दीपावली का शंखानंद-भाई दूज तक पंचदिवसीय महापर्व शुरू

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर अगर हम गहराई से देखें तो भारत में करीब करीब हर दिन किसी न किसी पर्व को मनाने का होता है। कभी सामाजिक जातीय धार्मिक, राष्ट्रीय तो कभी चुनावी महापर्व जैसे 20 नवंबर 2024 को महाराष्ट्र और झारखंड का चुनावी महापर्व तथा 23 नवंबर 2024 को परिणाम आने का महापर्व मनाने का दिन है, इन त्योहारों का एक महत्वपूर्ण भाव अनेकता में एकता है,इसके कारण ही भारत एक विशालकाय जनसंख्या वाला देश विभिन्न धर्मो जातियों उपजातियों के बीच सर्वधर्म सद्भाव के प्रेम से संजोया हुआ एक खूबसूरत गुलदस्ता है,इसीलिए ही हर धर्म समाज का पर्व हर दिन आनास्वाभाविक है। परंतु उन कुछ पर्वों में से धनतेरस से दीपावली और फिर छठ महापर्व एक ऐसा खूबसूरत त्यौहार पर्व है जिसे भारत में ही नहीं पूरी दुनियाँ में बसे भारतवंशियों द्वारा बड़े धूमधाम से मनाया जाता है, जिसकी शुरुआत 29 अक्टूबर 2024 से हो गई है जो 5 दिन तक बड़ी सौहार्दपूर्ण के साथ और खुशियों के साथ मनाया जा रहा है, फिर अब दीपावली के छठवें दिन से छठ पर्व मनाया जाएगा, जो धार्मिक आस्था का खूबसूरत प्रतीक है। चूंकि दीप जले दीपावली आई, धनतेरस ने दीपावली का आगाज़ कर दिया है और पांच दिवसीय दीपावली पर्व का धनतेरस के भावपूर्ण स्वागत से शुरू हो गया है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे दुनियां के हर देश में बसे भारतवंशी धनतेरस से भाई दूज तक फिर छठ के महात्योहार में खुशियों से सराबोर होकर पूर्ण तृप्ति होंगे। साथियों बात अगर हम दीपावली महापर्व की शुरुआत धनतेरस मंगलवार 29 अक्टूबर 2024 से शुरू होने की करें तो, दीपावली का शुभारंभ धनतेरस के दिन से ही हो जाता है और भाई दूज तक यह 5 दिवसीय उत्सव मनाया जाता है। सबसे पहले धनतेरस, फिर नरक चतुर्दशी, उसके बाद बड़ी दिवाली, फिर गोवर्द्धन पूजा और सबसे आखिर में भाई दूज पर इस पर्व की समाप्ति होती है।धनतेरस इस बार आज 29 अक्टूबर 2024 को मनाई जा रही है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाई जाती है। पौराणिक मान्यताओं में यह बताया गया है कि कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को समुद्र मंथन से भगवान धनवंतरी प्रकट हुए थे और उनके हाथ में अमृत से भरा कलश था। उन्हें विष्णु भगवान का अवतार माना जाता है। धनतेरस को उनके प्राकट्योत्सव के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन धन के देवता कुबेरजी और धन की देवी मां लक्ष्मी की पूजा की जाती है और सोने-चांदी के अलावा बर्तनों की खरीद करते हैं। धनतेरस को लेकर ऐसी मान्यता है कि इस दिन खरीदी गईवस्तुओं में 13 गुना वृद्धि होती है और हमको धन की कमी नहीं होती।मृत जीवित हो आता था।विधाता के कार्य में यह बहुत बड़ा व्यवधान पड़ गया। सृष्टि में भयंकर अव्यवस्था उत्पन्न होने की आशंका के भय से देवताओं ने इन्हें छल से लोप कर दिया। वैद्यगण इस दिन धन्वंतरी जी का पूजन करते हैं और वर मांगते हैं कि उनकी औषधि व उपचार में ऐसी शक्ति आ जाए जिससे रोगी को स्वास्थ्य लाभ हो। सद गृहस्थ इस दिन अमृत पात्र को स्मरण कर नए बर्तन घर में लाकर धनतेरस मनाते हैं। आज के दिन ही बहुत समय से चले आ रहे मनो मालिन्य को त्याग कर यमराज ने अपनी बहिन यमुना से मिलने हेतु स्वर्ग से पृथ्वी की ओर प्रस्थान किया था। गृहणियां इस दिन से अपनी देहरी पर दीपक दान करती हैं, जिससे यमराज मार्ग में प्रकाश देखकर प्रसन्न हों और उनके गृह जनों के प्रति विशेष करुणा रखें। इस वर्ष यह पर्व 29 अक्टूबर 2024 ई॰ मंगलवार को मनायाजा रहा है, इसी दिन प्रातः सूर्यादय से ही त्रयोदशी तिथि का आगाज हुआ ।अतः उदय व्यापिनी त्रयोदशी होने के कारण प्रदोष व्रत के साथ-साथ प्रदोष काल में दीपदान का अति विशेष महत्व रहेगा। साथियों बात अगर हम पांच दिवसीय दीपावली महापर्व की करें तो (1) पहला दिन - पहले दिन को धनतेरस कहते हैं। दीपावली महोत्सव की शुरुआत धनतेरस से होती है। इसे धन त्रयोदशी भी कहते हैं। धनतेरस के दिन मृत्यु के देवता यमराज, धन के देवता कुबेर और आयुर्वेदाचार्य धन्वंतरि की पूजा का महत्व है। इसी दिन समुद्र मंथन में भगवान धन्वंतरि अमृत कलश के साथ प्रकट हुए थे और उनके साथ आभूषण व बहुमूल्य रत्न भी समुद्र मंथन से प्राप्त हुए थे। तभी से इस दिन का नाम धनतेरस पड़ा और इस दिन बर्तन, धातु व आभूषण खरीदने की परंपरा शुरू हुई। इसे रूप चतुर्दशी भी कहते हैं। (2) दूसरा दिन - दूसरे दिन को नरक चतुर्दशी रूप चौदस और काली चौदस कहते हैं। इसी दिन नरकासुर का वध कर भगवान श्रीकृष्ण ने 16,100 कन्याओं को नरकासुर के बंदीगृह से मुक्त कर उन्हें सम्मान प्रदान किया था। इस उपलक्ष्य में दीयों की बारात सजाई जाती है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि इस दिन सूर्योदय से पूर्व उबटन एवं स्नान करने से समस्त पाप समाप्त हो जाते हैं और पुण्य की प्राप्ति होती है। वहीं इस दिन से एक ओर मान्यता जुड़ी हुई है जिसके अनुसार इस दिन उबटन करने से रूप व सौंदर्य में वृद्धि होती है। इस दिन पांच या सात दीये जलाने की परंपरा है। इस बार यह पर्व 30 अक्टूबर 2024 बुधवार को मनाया जाएगा। (3) तीसरा दिन-अब आता है इस लड़ी के मध्य दैदीप्यमान मंजूषा का उल्लास और उत्साह से भरा महान पर्व दीपावली और महालक्ष्मी पूजन तीसरे दिन को दीपावली कहते हैं। यही मुख्य पर्व होता है। दीपावली का पर्व विशेष रूप से मां लक्ष्मी के पूजन का पर्व होता है। कार्तिक माह की अमावस्या को ही समुद्र मंथन से मां लक्ष्मी प्रकट हुई थीं जिन्हें धन, वैभव, ऐश्वर्य और सुख समृद्धि की देवी माना जाता है। अतः इस दिन मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दीप जलाए जाते हैं ताकि अमावस्या की रात के अंधकार में दीपों से वातावरण रोशन हो जाए।दूसरी मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान रामचन्द्रजी माता सीता और भाई लक्ष्मण के साथ 14 वर्षों का वनवास समाप्त कर घर लौटे थे। श्रीराम के स्वागत हेतु अयोध्या वासियों ने घर-घर दीप जलाए थे और नगरभर को आभायुक्त कर दिया था। तभी से दीपावली के दिन दीप जलाने की परंपरा है। 5 दिवसीय इस पर्व का प्रमुख दिन लक्ष्मी पूजन अथवा दीपावली होता है।इस दिन रात्रि को धन की देवी लक्ष्मी माता का पूजन विधिपूर्वक करना चाहिए एवं घर के प्रत्येक स्थान को स्वच्छ करके वहां दीपक लगाना चाहिए जिससे घर में लक्ष्मी का वास एवं दरिद्रता का नाश होता है। इस दिन देवी लक्ष्मी, भगवान गणेश तथा द्रव्य, आभूषण आदि का पूजन करके 13 अथवा 26 दीपकों के मध्य 1 तेल का दीपक रखकर उसकी चारों बातियों को प्रज्वलित करना चाहिए एवं दीपमालिका का पूजन करके उन दीपों को घर में प्रत्येक स्थान पर रखें एवं 4 बातियों वाला दीपक रातभर जलता रहे, ऐसा प्रयास करें। (4) चौथा दिन - इस लड़ी का चौथा माणिक है कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा। यह पर्व भारत की कृषि-प्रधानता,पशुधन उद्योग व व्यवसाय का प्रतीक है। इसी दिन श्री कृष्ण ने अंगुली पर गोवर्धन पर्वत को छत्र की तरह धारण करके वनस्पति तथा लोगों की इंद्र के प्रकोप से रक्षा की थी। यह गोवर्धन पर्व अन्नकूट के नाम से विख्यात है। इस दिन नाना प्रकार के खाद्यान्न बनाए जाते हैंघी, दूध, दही से युक्त इनका भोग भगवान को लगाया जाता है। शिल्पकार व श्रमिक वर्ग आज के दिन विश्वकर्मा का पूजन भी श्रद्धा भक्तिपूर्वक करते हैं। आज बहुमुखी विकास और वृद्धि की कामना से दीप जलाए जाते हैं। इस वर्ष यह पर्व 2 नवंबर 2024, शनिवार को मनाया जाएगा।कार्तिक शुक्ल प्रतिपदा को गोवर्धन पूजा एवं अन्नकूट उत्सव मनाना जाता है। इसे पड़वा या प्रतिपदा भी कहते हैं। खासकर इस दिन घर के पालतू बैल, गाय, बकरी आदि को अच्छे से स्नान कराकर उन्हें सजाया जाता है। फिर इस दिन घर के आंगन में गोबर से गोवर्धन बनाए जाते हैं और उनका पूजन कर पकवानों का भोग अर्पित किया जाता है। इस दिन को लेकर मान्यता है कि त्रेतायुग में जब इन्द्रदेव ने गोकुलवासियों से नाराज होकर मूसलधार बारिश शुरू कर दी थी, तब भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी अंगुली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर गांववासियों को गोवर्धन की छांव में सुरक्षित किया। तभी से इस दिन गोवर्धन पूजन की परंपरा भी चली आ रही है। (5) पांचवां दिन - माला का पांचवा चमकता पर्व आता है- स्नेह, सौहार्द व प्रीति का प्रतीक यम द्वितीया अथवा भैया-दूज। इस दिन कार्तिक शुक्ल को यमराज अपने दिव्य स्वरूप में अपनी भगिनि यमुना से भेंट करने पहुंचते हैं।इस दिन को भाई दूज और यम द्वितीया कहते हैं। भाई दूज, पांच दिवसीय दीपावली महापर्व का अंतिम दिन होता है। भाई दूज का पर्व भाई-बहन के रिश्ते को प्रगाढ़ बनाने और भाई की लंबी उम्र के लिए मनाया जाता है। रक्षाबंधन के दिन भाई अपनी बहन को अपने घर बुलाता है जबकि भाई दूज पर बहन अपने भाई को अपने घर बुलाकर उसे तिलक कर भोजन कराती है और उसकी लंबी उम्र की कामना करती है।इस दिन को लेकर मान्यता है कि यमराज अपनी बहन यमुनाजी से मिलने के लिए उनके घर आए थे और यमुनाजी ने उन्हें प्रेमपूर्वक भोजन कराया एवं यह वचन लिया कि इस दिन हर साल वे अपनी बहन के घर भोजन के लिए पधारेंगे। साथ ही जो बहन इस दिन अपने भाई को आमंत्रित कर तिलक करके भोजन कराएगी, उसके भाई की उम्र लंबी होगी। तभी से भाई दूज पर यह परंपरा बन गई।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि धनतेरस से दीपावली का शंखानंद,भाई दूज तक पंचदिवसीय महापर्व शुरू।दीप जले दीपावली आई - 5 दिवसीय महापर्व - धनतेरस से दीपावली पर्व का आगाज़। दुनियां के हर देश में बसे भारतवंशी धनतेरस से भाई दूज तक फिर छठ महात्योहार में खुशियों से सरोबार होंगे।

संपादकीय

टूडो के मंसूबे

दशकों से कनाडा आप्रवासियों का दिल खोलकर स्वागत करता रहा है। कनाडा का आप्रवासन मंत्र रहा है कि जितने अधिक प्रवासी लोग आएंगे, उतना उसके लिए बेहतर रहेगा। कभी नवागंतुकों का खुली बांहों से स्वागत करने वाले कनाडा की सोच रही है कि दूसरे देशों से आने वाले प्रवासी खुद को स्थापित करने के लिये अधिक मेहनत करते हैं और नये देश के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यहां तक कि कनाडा ने उन कट्टरपंथियों और चरमपंथियों का भी स्वागत किया, जो अपने मूल देशों में कानून की रेखाओं का अतिक्रमण करते रहे हैं। कनाडा सरकार खुद अपनी पीठ थपथपाती रही है कि वह अपने समकक्ष पश्चिमी देशों की तुलना में आप्रवासियों के लिये बेहतर स्थिति बनाने में अव्वल रही है। लेकिन समय के साथ-साथ स्थितियां विसंगतियों की शिकार हुई हैं। आप्रवासियों के लिये सदैव द्वार खुले रखने की कनाडा की नीतियों के चलते, वहां के मूल नागरिक मानते हैं कि इस उदार नीति का आवास, स्वास्थ्य देखभाल और सामाजिक सेवाओं पर लगातार दबाव बढ़ रहा है। जिसके चलते ट्रूडो सरकार पर न केवल विपक्ष बल्कि अपनी पार्टी का भी दबाव बढ़ रहा है। आज उनकी पार्टी में ट्रूडो का इस्तीफा मांगने वालों की संख्या भी कम नहीं है। इस दबाव का ही प्रभाव है कि ट्रूडो सरकार स्वीकार कर रही है कि उनकी सरकार श्रम जरूरतों को संबोधित करने और जनसंख्या वृद्धि को बनाए रखने के बीच सही संतुलन बनाने में विफल ही रही है। सरकार मानने लगी है कि आप्रवासन टिकाऊ होना चाहिए। दरअसल, कनाडा में लिबरल सरकार की लोकप्रियता में लगातार कमी आई है। जिसकी चिंता में कनाडा के प्रधानमंत्री ट्रूडो आम चुनावों से एक साल पहले ही हाथ-पैर मार रहे हैं। ट्रूडो की सोच है कि कुछ सख्त कदम उठाकर वे अपने मतदाताओं को आकर्षित कर सकते हैं। यहां तक कि उन्होंने अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये अपने पुराने मित्र व बड़े लोकतांत्रिक देश भारत से संबंध खराब करने से भी गुरेज नहीं किया। दरअसल, जस्टिन ट्रूडो के मुगालते कम नहीं हुए हैं। अपनी अल्पमत सरकार को बचाने के लिये उन्होंने भारत का मुखर विरोध करने वाले जिन सांसदों का समर्थन लिया, उनके एजेंडे को पूरा करने में ट्रूडो सारी सीमाएं लांघ रहे हैं। राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते ट्रूडो मानकर चल रहे हैं कि वे अपने चौथे कार्यकाल के लिये चुनाव मैदान में उतर सकते हैं। लेकिन पार्टी में चल रहे विरोध के चलते आशंका है कि उनका हश्र भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन जैसा न हो, जिनको डेमोक्रेट्स के भारी दबाव के बाद राष्ट्रपति पद की फिर से दावेदारी छोड़नी पड़ी। लेकिन ट्रूडो की राजनीतिक महत्वाकांक्षा इतनी प्रबल रही कि वे अपरिपक्वता के चलते अपने पुराने सहयोगी नई दिल्ली के साथ संबंध बिगाड़ने से भी नहीं चूके। इसी कड़ी में वे कोशिश कर रहे हैं कि भारत से आने वाले प्रवासियों की संख्या को कम कर सकें। इसमें दो राय नहीं है कि कनाडा में स्थायी निवास की अनुमति की प्रक्रिया में जो बदलाव की मंशा ट्रूडो सरकार जता रही है, उसका सबसे ज्यादा असर भारतीय प्रवासियों पर पड़ेगा। हालांकि, उम्मीद के अनुरूप कुछ देशों से ही उन्हें नई नीति को लेकर समर्थन मिला है। अमेरिका में राष्ट्रपति पद के दावेदार डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अब जस्टिन ट्रूडो कनाडा की सीमाओं को बंद करना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप अमेरिका में सीमाओं को लेकर सख्त कदम उठाने की बात करते रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका की मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाना उनका मुख्य एजेंडा रहा है। लेकिन कनाडा के मामले में उसकी सबसे बड़ी मजबूरी यह है कि उसकी अर्थव्यवस्था आप्रवासियों पर पूरी तरह निर्भर है।

धनतेरस से प्रारंभ होता है दीपावली पर्व

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा/ ईएमएस)

(29 अक्टूबर धनतेरस पर विशेष)

दीपावली का प्रारम्भ धनतेरस से हो जाता है। धनतेरस पूजा को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। धनतेरस के दिन नई वस्तुएं खरीदना शुभ माना जाता है। धनतेरस का त्योहार दीपावाली पर्व के पहले दिन को दर्शाता करता है। यह त्योहार लोगों के जीवन में समृद्धि और स्वास्थ्य लाने के लिए माना जाता है और इसलिए इसे बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है। धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोई बर्तन खरीदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में सन्तोष रूपी धन का वास होता है। धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से भी इस दिन का विशेष महत्व है। शास्त्रों में कहा है कि जिन परिवारों में धनतेरस के दिन यमराज के निमित्त दीपदान किया जाता है। वहां अकाल मृत्यु नहीं होती। घरों में दीपावली की सजावट भी इसी दिन से प्रारम्भ होती है। इस दिन घरों को लीप-पोतकर, चैक, रंगोली बना सायंकाल के समय दीपक जलाकर लक्ष्मी जी का आवाहन किया जाता है। इस दिन पुराने बर्तनों को बदलना व नए बर्तन खरीदना शुभ माना गया है। धनतेरस को चांदी के बर्तन खरीदने से तो अत्यधिक पुण्य लाभ होता है। इस दिन कार्तिक स्नान करके प्रदोष काल में घाट, गौशाला, कुआं, बावली, मंदिर आदि स्थानों पर तीन दिन तक दीपक जलाना चाहिए। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार ऐसा माना जाता है कि धनतेरस के दौरान अपने घर में 13 दीये जलाना चाहिए और अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करनी चाहिए। जिसमें से सबसे पहले दक्षिण दिशा में यम देवता के लिए और दूसरा धन की देवी मां लक्ष्मी के लिए जलाना चाहिए। इसी तरह दो दीये अपने घर के मुख्य द्वार पर एक दीया तुलसी महारानी के लिए एक दीया घर की छत पर और बाकी दीये घर के अलग-अलग कोने में रख देने चाहिए। माना जाता है कि यह 13 दीये नकारात्मक ऊर्जा और बुरी आत्माओं से रक्षा करते हैं।

धनतेरस का दिन धन्वन्तरी त्रयोदशी या धन्वन्तरि जयन्ती भी होती है। धनतेरस को आयुर्वेद के देवता का जन्म दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन गणेश लक्ष्मी घर लाएं जाते है। इस दिन लक्ष्मी और कुबेर की पूजा के साथ-साथ यमराज की भी पूजा की जाती है। पूरे वर्ष में एक मात्र यही वह दिन है जब मृत्यु के देवता यमराज की पूजा की जाती है। यह पूजा दिन में नहीं की जाती अपितु रात्रि होते समय यमराज के निमित्त एक दीपक जलाया जाता है। धनतेरस के दिन यमराज को प्रसन्न करने के लिए यमुना स्नान भी किया जाता है अथवा यदि यमुना स्नान सम्भव न हो तो स्नान करते समय यमुना जी का स्मारण मात्र कर लेने से भी यमराज प्रसन्न होते हैं। हिन्दु धर्म की ऐसी मान्यता है कि यमराज और देवी यमुना दोनों ही सूर्य की सन्ताने होने से आपस में भाई-बहिन हैं और दोनों में बड़ा प्रेम है। इसलिए यमराज यमुना का स्नान करके दीपदान करने वालों से बहुत ही ज्यादा प्रसन्न होते और उन्हें अकाल मृत्यु के दोष से मुक्त कर देते है।

धनतेरस के दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखा जाता हैं। इस दीप को यमदीवा अर्थात यमराज का दीपक कहा जाता है। रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर नई रूई की बत्ती बनाकर, चार बत्तियां जलाती हैं। दीपक की बत्ती दक्षिण दिशा की ओर रखनी चाहिए। जल, रोली, फूल, चावल, गुड़, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर स्त्रियां यम का पूजन करती हैं। चूंकि यह दीपक मृत्यु के नियन्त्रक देव यमराज के निमित्त जलाया जाता है, अतः दीप जलाते समय पूर्ण श्रद्धा से उन्हें नमन तो करें। साथ ही यह भी प्रार्थना करें कि वे आपके परिवार पर दया दृष्टि बनाए रखें और किसी की अकाल मृत्यु न हो। धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है।

धनतेरस को मृत्यु के देवता यमराज जी की पूजा करने के लिए संध्या के समय एक वेदी (पाट्टा) पर रोली से स्वास्तिक बनाइये। उस स्वास्तिक पर एक दीपक रखकर उसे प्रज्वलित करें और उसमें एक छिद्रयुक्त कोड़ी डाल दें। अब इस दीपक के चारों ओर तीन बार गंगा जल छिडकें। दीपक को रोली से तिलक लगाकर अक्षत और मिष्ठान आदि चढाएं। इसके बाद इसमें कुछ दक्षिणा आदि रख दीजिए जिसे बाद में किसी ब्राह्मण को दे देवें। अब दीपक पर कुछ पुष्पादि अर्पण करें। इसके बाद हाथ जोडकर दीपक को प्रणाम करें और परिवार के प्रत्येक सदस्य को तिलक लगाएं। अब इस दीपक को अपने मुख्य द्वार के दाहिनी और रख दीजिए। यम पूजन करने के बाद अन्त में धनवंतरी पूजा करें।

इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है। कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। ज्योतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और उन्होने राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया।

विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा। परन्तु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की। हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है। इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है। उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

(चिंतन-मनन)

सुखी रहना है तो ईश्वर से शिकायत न करें

इंसानों की एक सामान्य आदत है कि तकलीफ में वह भगवान को याद करता है और शिकायत भी करता है कि यह दिन उसे क्यूं देखने पड़ रहे हैं। अपने बुरे दिन के लिए इंसान सबसे ज्यादा भगवान को कोसता है। जब भगवान को कोसने के बाद भी समस्या से जल्दी राहत नहीं मिलती है तो सबसे ज्यादा तकलीफ होती है। इसका कारण यह है कि उसे लगता है कि जो उसकी मदद कर सकता है वही कान में रूई डालकर बैठा है। इसलिए महापुरूषों का कहना है कि दुख के समय भगवान को कोसने की बजाय उसका धन्यवाद करना चाहिए। इससे आप खुद को अंदर से मजबूत पाएंगे और समस्याओं से निकलने का रास्ता आप स्वयं ढूंढ लेंगे। भगवान किसी को परेशानी में नहीं डालते और न ही वह किसी को परेशानी से निकाल सकते हैं। भगवान भी अपने कर्तव्य से बंधे हुए हैं। भगवान सिर्फ एक जरिया हैं जो रास्ता दिखाते हैं चलना किधर है यह व्यक्ति को खुद ही तय करना होता है। भगवान श्री कृष्ण ने गीता में इस बात को खुद स्पष्ट किया है। आधुनिक युग के महान संत रामकृष्ण का नाम आपने जरूर सुना होगा। ऐसा माना जाता है कि मां काली उन्हें साक्षात दर्शन देती थी और नन्हें बालक की तरह रामकृष्ण को दुलार करती थीं। ऐसे भक्त की मृत्यु कैंसर के कारण हुई। मृत्यु के समय इन्हें बहुत की कष्ट का सामना करना पड़ा। रामकृष्ण चाहते तो मां काली से कह कर रोग से मुक्त हो सकते थे। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया और पूर्व जन्म के संचित कर्मों को नष्ट करने के लिए दुःख सहते रहे और अंततः परम गति को प्राप्त हुए। ओशो का मत है कि भक्त भगवान की पीड़ा में जितना जलता है, उतना ही भगवान के करीब होने लगता है। एक दिन वह घड़ी आती है जब भक्त भगवान में विलीन हो जाता है। रामकृष्ण परमहंस का जीवन इसी बात का उदाहरण है। वर्तमान समय में लोग साढ़ेसाती का नाम सुनकर कांपने लगते हैं। लेकिन प्राचीन काल में लोग साढ़ेसाती का इंतजार किया करते थे। इसका कारण यह था कि साढ़ेसाती के दौरान प्राप्त तकलीफों से उन्हें ईश्वर को प्राप्त करने में मदद मिलती थी। साधु संत शनि को मोक्ष प्रदायक कहा करते थे। वर्तमान में शनि डर का विषय इसलिए बन गये हैं क्योंकि मनुष्य सुख भोगी हो गया है और उसकी सहनशीलता कम हो गयी है। शास्त्रों में कहा गया है कि व्यक्ति अपने जन्म-जन्मांतर के संचित कर्मों के कारण ही सुख-दुख प्राप्त करता है। जब तक कर्मों का फल समाप्त नहीं होता है तब तक जीवन मरण का चक्र चलता रहता है। जो लोग सुख की अभिलाषा करते हैं उन्हें बार-बार जन्म लेकर दुःख सहना पड़ता है। इसलिए दुख से बचने का एक मात्र उपाय यह है कि दुःख सह कर भी ईश्वर से शिकायत न करो, सुख अपने हिस्से में स्वयं आ जाएगा।

विचार मंथन

स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण 8 करोड़ जुआड़ी बढ़े

(लेखक- सनत जैन)

स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण ऑनलाइन जुआ खेलने की लत दिनों-दिन बढ़ती ही जा रही है। लीजेंड पब्लिक हेल्थ कमीशन ने जो रिपोर्ट जारी की है उसके अनुसार भारत में कम से कम 8 करोड़ नए जुआड़ी बन गए हैं जो ऑनलाइन जुआ खेलकर आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं। इसके चलते कई परिवार तबाह हो गए हैं। हजारों लोगों ने आत्महत्या कर ली है। सामाजिक संबंधों में भी एक नया बिखराव देखने को मिल रहा है। जुए की लत सौ बीमारियों की एक बीमारी है। जुए की बढ़ती हुई लत के कारण युवाओं में नशे की आदत भी बढ़ती चली जा रही है। शारीरिक और मानसिक परेशानियों को देखते हुए बड़े पैमाने पर जुआड़ी आर्थिक कठिनाइयों के कारण जहां नशे का शिकार हो रहे हैं वहीं परिवार में घरेलू हिंसा और आपराधिक घटनाएं भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। स्मार्टफोन के माध्यम से लोगों को खासकर किशोरवय और युवा पीढ़ी को जुआ खेलने का आसान तरीका मिल गया है। स्मार्टफोन, समाचार पत्र और टीवी के जरिए खुलेआम जुए का प्रचार-प्रसार हो रहा है। हद यह है कि इस जुए का शिकार अब महिलाएं भी होने लगी हैं। जो रिपोर्ट आई है उसके अनुसार 15.8 फ़ीसदी वयस्क 26.8 फ़ीसदी किशोर और महिलाओं में भी ऐप के जरिए जुआ खेलने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती ही चली जा रही है। घंटों स्मार्टफोन पर परिवार के लगभग प्रत्येक सदस्य समय बिताते हैं] जिसके कारण स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। मानसिक रोग बढ़ते चले जा रहे हैं। इसके चलते कुछ मानसिक रोगी अचानक अपराध करने लग जाते हैं तो कुछ अपने स्वयं के शरीर को हानि पहुंचाने लगते हैं। अब तो आत्महत्या जैसी प्रवृत्ति भी बड़ी तेजी के साथ समाज के सभी वर्गों में देखने को मिल रही है। एक पढ़े-लिखे और उत्तम समाज के लिए वाकई चिंता का सबसे बड़ा कारण बनता चला जा रहा है। ऐसे में सलाह दी जाती है कि वर्तमान स्थिति में भारत सरकार को स्मार्टफोन और इंटरनेट पर जुए के ऐप को तत्काल बंद कर देना चाहिए। 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से प्रतिबंधित करने और इंटरनेट के जरिए जो बुराइयां बड़ी तेजी के साथ प्रत्येक परिवार के बीच में परोसी जा रही हैं इन पर तत्काल रोक लगाने की आवश्यकता है। स्मार्टफोन के कारण समाज में यौन अपराध के मामले भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। मासूम छोटे-छोटे बच्चों के साथ जिस तरह का यौन उत्पीड़न किया जा रहा है इसका सबसे बड़ा कारण स्मार्टफोन और इंटरनेट को ही माना जा रहा है। अनेक आपराधिक मामलों में इस बात का खुलासा भी हो चुका है, जहां अपराधी स्वयं स्वीकार करते देखे गए हैं कि उन्होंने इंटरनेट और मोबाईल पर जो देखा वही किया। इसके चलते बच्चे भी अपराधियों की सूची में शामिल होते देखे जा रहे हैं। भारत में पिछले 10 वर्षों में गरीब और अमीर सभी इंटरनेट और स्मार्टफोन का बड़े पैमाने पर उपयोग कर रहे हैं। पोर्न पिक्चर्स और वीडियो को देखने का चलन स्मार्टफोन पर बढ़ता ही जा रहा है। नाबालिग बच्चों के बीच में भी पोर्न फिल्में देखी जा रही हैं। इसका असर यह हो रहा है कि 18 साल से कम उम्र के बच्चे भी अब यौन अपराधों में शामिल हो गए हैं। जिस तरह से छोटी-छोटी बच्चियों के साथ यौन उत्पीड़न की घटनाओं के समाचार आ रहे हैं, उसके बाद भी सरकार ने इस समस्या के समाधान को सुलझाने के लिए कोई ठोस प्रयास नहीं किया। महंगाई और बेरोजगारी का असर समाज के सभी तबकों के बीच बना हुआ है। आर्थिक जरूरत को पूरा करने के लिए लोग जुए का सहारा ले रहे हैं। इसके कारण स्थितियां और भी खराब हो रही हैं। स्मार्टफोन और इंटरनेट के कारण दुनिया के 45 करोड़ लोग मानसिक बीमारी के शिकार होकर सामाजिक व्यवस्था में तरह-तरह की समस्या पैदा कर रहे हैं। कई देशों ने अपने यहां नाबालिग युवाओं को सोशल मीडिया से दूर रहने का कानून बना दिया है। ऑनलाइन जुए के ऐप और वेबसाइट को कानूनी रूप से बंद कर दिया गया है। लेकिन भारत जैसे देश में जुए की ऐप और जुए को खुलेआम खिलाने की परमिशन दी गई है और इसके लिए सरकार 28 फ़ीसदी टैक्स वसूलकर अपना राजस्व बढ़ा रही है। भारत में जिस तरह से जुए की लत बढ़ती ही जा रही है, यदि तुरंत इसको नियंत्रित करने की दिशा में काम नहीं किया गया तो स्थिति बड़ी विस्फोटक हो सकती है।

पंजाब नेशनल बैंक का मुनाफा दो गुना से अधिक होकर 4,306 करोड़ रुपये रहा

मुंबई । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने सोमवार को अपने जुलाई-सितंबर अवधि के नतीजों का ऐलान किया। बैंक का मुनाफा 2024-25 की दूसरी तिमाही में दो गुना से अधिक होकर 4,306 करोड़ रुपये रहा। पब्लिक सेक्टर बैंक ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,756 करोड़ रुपये का नेट प्रॉफिट कमाया था। पीएनबी ने बताया कि सितंबर तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय बढ़कर 34,447 करोड़ रुपये हो गई। यह पिछले साल की समान तिमाही में 29,383 करोड़ रुपये थी। इसके अलावा तिमाही के दौरान बैंक ने ब्याज से 29,875 करोड़ रुपये की आय दर्ज की, जो एक साल पहले की इसी समान अवधि में 26,355 करोड़ रुपये से अधिक है। एसेट क्वालिटी के मोर्चे पर बैंक के ग्रॉस नॉन-परफार्मिंग एसेट (एनपीएस) में सुधार दिखाई दिया है। यह एक साल पहले के 6.96 प्रतिशत से घटकर सितंबर तिमाही में ग्रॉस लोन का 4.48 प्रतिशत हो गया। इसी तरह, शुद्ध एनपीए या फंसा हुआ कर्ज पिछले वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के अंत में 1.47 प्रतिशत से घटकर 0.46 प्रतिशत हो गया। वहीं, पीएनबी बैंक का कंसोलिडेट मुनाफा चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में दोगुना से अधिक होकर 4,714 करोड़ रुपये हो गया। यह एक साल पहले की इसी अवधि में 1,990 करोड़ रुपये था। बैंक ने बोर्ड की तरफ से मंजूर नीति के अनुरूप 350 करोड़ रुपये का फ्लोटिंग प्रावधान किया है। 30 सितंबर तक बैंक के पास 500 करोड़ रुपये का फ्लोटिंग प्रोविजन है।

उड़ान ने लाइटहाउस कैटंन, स्ट्राइड वेंचर्स और अन्य से 300 करोड़ जुटाए

- देश भर में किराना स्टोर तथा छोटे व्यवसायों के लिए पसंदीदा भागीदार के रुप में अपनी स्थिति मजबूत करेगी

नई दिल्ली। ऑनलाइन बिजनेस-टू-बिजनेस मंच उड़ान ने लाइटहाउस कैंटन, स्ट्राइड वेंचर्स, इनोवेन कैपिटल और ट्राइफेक्टा कैपिटल से लगभग 300 करोड़ रुपये जुटा लिए हैं। कंपनी ने सोमवार को कहा कि वित्त पोषण समूह ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में सामूहिक रूप से उड़ान में करीब 300 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस धन का उपयोग देश भर में किराना स्टोर तथा छोटे व्यवसायों के लिए पसंदीदा भागीदार के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए किया जाएगा। बयान में कहा गया कि कंपनी अपनी सूक्ष्म बाजार रणनीति के जरिये अपनी भौगोलिक पहुंच का विस्तार करने, परिचालन को अनुकूलित करने, गो-टू-मार्केट (जीटीएम) क्षमताओं को बढ़ाने, आपूर्ति श्रृंखला प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और नए सूक्ष्म-पूर्ति केंद्र खोलने के लिए इस राशि का उपयोग करेगी। उड़ान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ऋण वित्तपोषण का नवीनतम दौर पिछली 10 तिमाहियों में कंपनी द्वारा हासिल की गई तिमाही-दर-तिमाही लगातार वृद्धि को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह वित्तपोषण हमारी वित्तीय स्थिति को और मजबूत करेगा और हमें प्रमुख रणनीतिक पहलों पर दोगुना जोर देने की सुविधा प्रदान करेगा जैसे कि परिचालन उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए हमारे क्लस्टर' मॉडल का विस्तार करना जिससे हम लाभप्रदता के मार्ग पर आगे बढ़ते हुए अपनी बाजार स्थिति को मजबूत कर सकें।

1,25,000 रुपए किलो तक पहुंच सकती है चांदी

- 86,000 रुपए तक पहुंच सकती हैं सोने की कीमत

मुंबई ।

इस साल सोने की कीमत में 33 फीसदी की तेजी आई है लेकिन चांदी की कीमत में 46 फीसदी की बढ़त देखी जा चुकी है। हाल में चांदी की कीमत एक लाख रुपए प्रति किलो के पार पहुंची थी। सुरे क्षित` निवेश के` लिए निवेशक चांदी का रुख कर रहे हैं। साथ ही इसका इंडस्ट्रियल उपयोग भी बढ़ रहा है। यही वजह है कि इसकी कीमत में तेजी आ रही है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का कहना है कि मध्यम से लंबी अवधि में चांदी का प्रदर्शन सोने के बराबर या उससे बेहतर हो सकता है। अगले 12 से 15 महीनों में एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 1,25,000 रुपए प्रति किलो और कॉमेक्स पर 40 डॉलर प्रति औंस तक पहुंचने की उम्मीद है। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म का कहना है कि मध्यम अवधि में सोने की कीमत 81,000 रुपए प्रति 10 ग्राम और लंबी अवधि में 86,000 रुपए तक पहुंच सकती हैं। कॉमेक्स पर सोने के मध्यम अवधि में 2,830 डॉलर और लंबी अवधि में 3,000 डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सोना हाल के वर्षों में लगातार सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाली एसेट्स में से एक रहा है। इस साल सोने की कीमतें कॉमेक्स और घरेलू बाजारों दोनों पर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। बाजार के एक जानकार ने कहा कि 2024 में बाजार की अनिश्चितताओं, दरों में कटौती की उम्मीदों, बढ़ती मांग और रुपये में गिरावट के कारण कीमतों में उल्लेखनीय तेजी आई है। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बाद के महीने सोने की निकट अवधि की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण होंगे। इस साल कीमती धातुओं में तेजी के दो प्रमुख कारक फेडरल रिजर्व से दरों में कटौती की उम्मीद और मध्य पूर्व में बढ़ रही भू-राजनीतिक हलचल है। दिवाली में सेंटिमेंट पॉजिटिव रहने का अनुमान है।

पहले स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट के साथ रियलमी जीटी7 प्रो का अनावरण

नई दिल्ली । रियलमी ने पहले स्नैपड्रैगन 8 एलीट चिपसेट के साथ रियलमी जीटी7 प्रो लॉन्च किया है। जीटी सीरीज शक्तिशाली प्रदर्शन और प्रीमियम डिजाइन को एक साथ लाने की रियलमी के विजन को मूर्त रूप देती है। इस अनूठे संयोजन ने रियलमी को प्रतिस्पर्धी स्मार्टफोन बाजार में एक मजबूत पहचान स्थापित करने में मदद की है, जो उन उपयोगकर्ताओं को आकर्षित करता है, जो अपने डिवाइस में स्टाइल और सब्सटेंस दोनों चाहते हैं। रियलमी जीटी7 प्रो में अनोखे रंग विकल्प, बनावट और फ़िनिश शामिल हैं, जो लाल ग्रह की बीहड़ सुंदरता को दर्शाते हैं। डिवाइस के बैक पैनल को मार्स डिजाइन कहा जाता है, जिसमें मंगल ग्रह के इलाके की याद दिलाने वाली एक विशिष्ट बनावट है, जिसे उन्नत मल्टी-लेयर एंटी-ग्लेयर तकनीक के माध्यम से हासिल किया गया है। यह सिर्फ दिखावट के बारे में नहीं है, बनावट वाली सतह एक अनूठा स्पर्श अनुभव प्रदान करती है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण की अवधारणा को जीवंत करती है। ब्रह्मांडीय थीम को जोड़ते हुए, जीटी7 प्रो में अंतरिक्ष यान से प्रेरित सूक्ष्म स्पेस व्यूपोर्ट डेको तत्व और एक प्लैनेटरी रिंग टेक्सचर शामिल है, जिसमें सैकड़ों धातु के तार-ड्राइंग टेक्सचर शामिल हैं, जो आकर्षक तरीकों से प्रकाश को पकड़ते हैं। जीटी7 प्रो में क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले है, जो डिवाइस के समग्र भविष्य के अनुभव को बढ़ाता है। जहां फ्लैगशिप स्मार्टफोन अक्सर भारीपन से जूझते हैं, वहीं रियलमी का डिजाइन विकल्प इसके सावधानीपूर्वक संतुलन को दर्शाता है।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद , निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ का हुआ लाभ

मुम्मई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। वहीं गत सप्ताह बाजार में उतार-चढ़ाव रहा था। आज दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 602.75 अंक करीब 0.76 फीसदी बढ़कर 80,005.04 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 158.35 अंक तकरीबन 0.65 फीसदी की बढ़त के साथ 24,339.15 के स्तर पर बंद हुआ। इसके अलावा मिडकैप, स्मॉलकैप इंडेक्स भी बढ़त पर बंद हुए।

अमेरिकी बाजारों में अनिश्चितता के कारण निवेश सतर्कता बरत रहे हैं। वहीं आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की तेजी के साथ हुई थी। शुरुआती कारोबार में बीएसई का सेंसेक्स 273 अंक करीब 0.34 फीसदी बढ़कर 79,675 और एनएसई का निफ्टी 74.35 अंक तकरीबन 0.31 फीसदी ऊपर आकर 24,255 पर था।

दिवाली से पहले बाजार में आई इस तेजी के कारण निवेशकों को 4.5 लाख करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 24 के शेयर आज बढ़त पर बंद हुए। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर सबसे ज्यादा लगभग 3 फीसदी बढ़ा। । 2024-25 की दूसरी तिमाही में मुनाफा बढ़ने से बैंक के शेयर में आज उछाल देखा गया । बैंक ने शनिवार को दूसरी तिमाही के परिणाम जारी किये थे। इसके अलावा जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील, सन फार्मा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा मोटर्स और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी बढ़कर बंद हुए।

वहीं दूसरी ओर दूसरी तरफ, एक्सिस बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक और मारुति के शेयर आज नीचे आये।

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की वैश्विक कीमतों में गिरावट से भी बाजार को बल मिला है। इसके अलावा आईसीआईसीआई बैंक के शेयर में तेजी, वैश्विक बाजारों से मजबूत रुझान और घरेलू निवेशकों की लगातार

खरीदारी से बाजार में उत्साह का माहौल रहा। , विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को 3,036.75 करोड़ रुपये की इक्विटी बेची। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिल रहे मिश्रित रुझानों की वजह से भारतीय शेयर बाजार में जारी गिरावट पर हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सोमवार को ब्रेक लग गया। बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 सोमवार को बढ़त के साथ खुले। शुरुआती कारोबार में, 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 410 अंक की बढ़त के साथ 79,812 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 106 अंक की बढ़त के साथ 24,286 पर कारोबार कर रहा था।

सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज दूसरी तिमाही का कंसोलिडेट नेट प्रॉफिट 28 प्रतिशत बढ़ा

मुंबई ।

सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज का चालू वित्त वर्ष की सितंबर में समाप्त दूसरी तिमाही का कंसोलिडेट नेट प्रॉफिट 28 प्रतिशत बढ़कर 3,040 करोड़ रुपये हो गया है। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में 2,375 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी ने बताया कि दूसरी तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 13,645 करोड़ रुपये हो गई, जबकि पिछले वर्ष सामाना तिमाही में यह 12,486 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक दिलीप सांघवी ने बताया कि सन ने हाल ही में फिलोजेन के साथ एक समझौते के द्वारा अपनी विशेष 'पाइपलाइन' को मजबूत किया है, ताकि फाइब्रोमुन को मंजूरी मिलने पर उसका व्यावसायीकरण किया जा सके। उन्होंने कहा कि फाइब्रोमुन के साथ त्वचा विशेषज्ञों के लिए कंपनी के उत्पादों की श्रृंखला का और विस्तार हुआ है।

भारतीय शेयर बाजार को लेकर बुरी खबर.....चिंता में निवेशक

मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार इन दिनों अनिश्चितता और उतार-चढ़ाव के दौर से गुजर रहा है। दरअसल विदेशी निवेशकों की भारी निकासी के बाद अब निवेशकों के लिए एक और चिंताजनक खबर आई है। बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि यह स्थिति निवेशकों के भरोसे में कमी का संकेत दे रही है, और आने वाले समय में बाजार में गिरावट का सिलसिला फिर से शुरू होगा है। अक्टूबर महीने में कैश मार्केट टर्नओवर 7 महीने के निचले स्तर पर है। वर्तमान में रोजाना का कैश टर्नओवर औसतन 1.15 लाख करोड़ रुपये रहा, जो पिछले महीने की तुलना में 12.5 प्रतिशत कम है। यह गिरावट निवेशकों की सर्तकता को दिखाती है, जो वैश्विक बाजार में उठापटक और युद्ध की तनावपूर्ण स्थिति के कारण उत्पन्न हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे निवेशकों में डर है कि बाजार में तेज गिरावट आ सकती है।

शेयर बाजार में कैश मार्केट टर्नओवर का मतलब है कि निवेशकों ने प्रतिदिन औसतन कितनी खरीद-फरोख्त की। अक्टूबर में यह आंकड़ा लगातार चौथे महीने गिर रहा है, जो दिखाता है कि निवेशकों का बाजार पर विश्वास घट रहा है। बाजार जानकारों के अनुसार, निवेशक बाजार के वैल्यूएशन को लेकर चिंतित हैं, और यही कारण है कि कैश मार्केट टर्नओवर में कमी आई है। लंबी अवधि के निवेशकों की हिस्सेदारी केवल 10 प्रतिशत रह गई है, जबकि शॉर्ट टर्म निवेशकों का हिस्सा बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में भारतीय बाजार अपने 52 सप्ताह के शीर्ष स्तर से करीब 8 प्रतिशत नीचे है, जबकि मिडकैप और स्मॉलकैप में 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। इस स्थिति में विदेशी निवेशकों ने लगभग 87,000 करोड़ रुपये का निवेश बाजार से निकाल लिया है, जिससे बिकवाली का दबाव बढ़ा है।

रुपया 84.08 पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को रुपया सपाट रुप से 84.08 पर बंद हुआ। आज सुबह विदेशी पूंजी की भारी निकासी के बीच रुपया शुरुआती कारोबार में एक पैसे की बढ़त के साथ 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.08 पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद एक पैसे की बढ़त के साथ 84.07 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.08 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.28 फीसदी की गिरावट के साथ 104.54 पर रहा।

त्योहारी सीजन में 30 फीसदी बढ़ेगी इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री

- बाजार में एआई से लैस उत्पादों की मांग रहेगी अधिक

नई दिल्ली ।

त्योहारी सीजन में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों की बिक्री पिछले साल की तुलना में 30 फीसदी तक बढ़ने की उम्मीद है। उद्योग जगत से जुड़े लोगों का कहना है कि त्योहारी सीजन में प्रीमियम यानी महंगे उत्पादों की मांग अधिक है। लोग ऊर्जा दक्षता, उच्च क्षमता और बड़े आकार वाले टीवी, फ्रीज खरीदने के लिए अतिरिक्त भुगतान करने को तैयार हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और आईओटी प्रौद्योगिकी संचालित उत्पादों में भी रुचि दिखा रहे हैं। उद्योग निकाय उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स एवं उपकरण निर्माता संघ (सिएमा) ने कहा कि सभी श्रेणियों की बिक्री में अच्छी वृद्धि देखने को मिल रही है। गोदरेज अप्लायंसेज के एक अे धिकारी ने कहा` कि अच्छे मानसून की वजह से त्योहारी बिक्री में तेजी आई है। अमेजन और फ्लिपकार्ट जैसे ई-कॉमर्स मंचों पर त्योहारी बिक्री के दौरान हमने पिछले साल की तुलना में 70 फीसदी से अधिक की प्रभावशाली वृद्धि हासिल की है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि वॉशिंग मशीन और फ्रिज के प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ी है। खास बात है कि इस बार छोटे शहरों के बाजारों से भी प्रीमियम उत्पादों की मांग बढ़ी है, जो उत्साहजनक है। सोनी इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा बड़ी स्क्रीन वाले और खासकर 55 इंच व उससे अधिक बड़ी स्क्रीन वाले टीवी की मांग में तेजी है।

फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने अपने आगामी आईपीओ की वैल्यूएशन में कटौती की

- ब्लैकरॉक और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड 1.4 अरब डॉलर आईपीओ में निवेश करेंगे

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी ने अपने आगामी आईपीओ की वैल्यूएशन में कटौती की है, इसके बाद अब 11.3 अरब डॉलर आंकी गई है। यह मूल्यांकन स्विगी के शुरुआती लक्ष्य 15 अरब डॉलर से लगभग 25 प्रतिशत कम है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बाजार में अस्थिरता और हाल ही में ह्युंडै इंडिया के आईपीओ की कमजोर लिस्टिंग के चलते निवेशकों की धारणा पर असर पड़ा है। ब्लैकरॉक और कनाडा पेंशन प्लान इन्वेस्टमेंट बोर्ड (सीपीपीआईबी) 1.4 अरब डॉलर के इस आईपीओ में निवेश करेंगे, जो इस साल देश का दूसरा सबसे बड़ा आईपीओ माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, स्विगी ने यह फैसला इसे लिए` लियास ताकि निवेशकों की रुचि को बनाए रखते हुए कमजोर प्रतिक्रिया से बचा जा सके। स्विगी का यह आईपीओ 5 नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की वैश्विक अनिश्चितता के बीच आ रहा है, जिससे बाज़ार में अस्थिरता और बढ़ने की संभावना है। इन चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए कंपनी ने बड़े निवेशकों से परामर्श करके अपने आईपीओ की वैल्यूएशन घटाने का निर्णय लिया। भारतीय शेयर बाजार में चार सप्ताह से गिरावट जारी है, जिससे बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स अपने ऊपरी स्तर से 8 प्रतिशत तक गिर चुका है। हाल ही में हुंडई इंडिया के शेयरों की कमजोर लिस्टिंग और विदेशी निवेशकों द्वारा बिकवाली ने भी बाजार की स्थिति को प्रभावित किया है। खुदरा निवेशकों की ओर से ठंडा रिस्पॉन्स मिलने के कारण ह्युंडै इंडिया के शेयर अपने डेब्यू पर 7.2 प्रतिशत गिर गए थे, जिससे बाजार में मूल्यांकन को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। स्विगी के इस कदम के बावजूद भारतीय आईपीओ बाजार में उत्साह बना हुआ है। इस साल अब तक लगभग 270 कंपनियों ने 12.57 अरब डॉलर की राशि जुटाई है, जो 2023 में जुटाए गए 7.4 अरब डॉलर की तुलना में अधिक है।

इस हफ्ते बाजार में किसी नए आईपीओ की नहीं होगी लिस्टिंग

एक नवंबर को दिवाली के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेगा

नई दिल्ली ।

इस त्योहारी हफ्ते में नए आईपीओ की उम्मीद करने वाले निवेशकों को निराशा हो सकती है, क्योंकि आगामी सप्ताह में कोई नया आईपीओ नहीं आएगा। हालांकि इस हफ्ते आठ आईपीओ की लिस्टिंग होगी, जिनमें प्रमुख नाम वारी एनर्जीज लिमिटेड का है। दिवाली के कारण इस हफ्ते शेयर बाजार में हलचल थोड़ी धीमी रहने की संभावना है। इस हफ्ते बाजार केवल चार दिन खुलेगा, क्योंकि एक नवंबर को दिवाली के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहेगा। हालों` कि इस दिन शाम 6 बजे से 7 बजे तक एक घंटे के लिए विशेष मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया जाएगा, जो निवेशकों के लिए एक शुभ अवसर माना जाता है। आठ आईपीओ की लिस्टिंग में तीन आईपीओ मेन बोर्ड पर हैं, जबकि बाकी पांच आईपीओ एसएमई (छोटे और मझोले उद्यम) सेगमेंट में हैं। मेन बोर्ड के तीन प्रमुख आईपीओ में वारी एनर्जीज, दीपक बिल्डर्स एंड इंजीनियर्स, और गोदावरी बायोरिफाइनरीज लिमिटेड शामिल हैं। एसएमई सेगमेंट के पांच आईपीओ में प्रीमियम प्लास्ट लिमिटेड, दानिश पावर लिमिटेड, यूनाइटेड हीट ट्रांसफर लिमिटेड, ओबीएससी परफेक्शन लिमिटेड, और उषा फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड शामिल हैं। यह आईपीओ लिस्टिंग छोटे निवेशकों के लिए अच्छा अवसर साबित हो सकती है।

इसके अलावा आगामी समय में भारतीय शेयर बाजार में एक बार फिर से आईपीओ की बहार देखने को मिल सकती है। जानकारी के अनुसार, करीब 26 कंपनियाँ 72,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए आईपीओ लाने की योजना बना रही हैं। साथ ही, 55 अन्य कंपनियां भी सेबी की मंजूरी का इंतजार कर रही हैं, जिनके माध्यम से वे 89,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती हैं।

वैश्विक भुगतान में अमे रिकी डॉलर की अहम भूमिका, यूरो में गिरावट

- पिछले दो वर्षों में डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया

अनुसार पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया है।

मुंबई ।

वैश्विक भुगतान में अमेरिकी डॉलर की हिस्सेदारी 49 फीसदी तक पहुंच गई, जो 12 वर्षों में सबसे अधिक है। हाल ही में एक रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। स्विफ्ट रिपोर्ट के डेटा के अनुसार पिछले दो वर्षों में अमेरिकी डॉलर का अंतरराष्ट्रीय भुगतान लेन-देन में उपयोग 9 प्रतिशत अंक बढ़ गया है। इस दौरान यूरो की हिस्सेदारी 39 फीसदी से घटकर 21 फीसदी पर आ गई है, जो कि एक दशक में सबसे कम है। इसलिए अमेरिकी डॉलर वैश्विक मुद्रा के रूप में अपनी प्रमुखता बनाए रखे हुए है और यह स्थिति स्पष्ट है कि इस मामले में कोई अन्य मुद्रा इसकी तुलना में नहीं आ पा रही है। यूरो की घटती

हिस्सेदारी के पीछे विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक कारण हो सकते हैं, जिनमें यूरोपीय संघ की आर्थिक स्थिरता, व्यापार संतुलन और अन्य अंतरराष्ट्रीय घटनाएं शामिल हो सकती हैं।

गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के कोच पद से इस्तीफा दिया

कराची(एजेंसी)। पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ मतभेद पैदा होने के कारण अपनी नियुक्ति के छह महीने के अंदर ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। भारत की 2011 में वनडे विश्व कप की चैंपियन टीम के कोच रहे 56 वर्षीय कर्स्टन को पीसीबी ने इस साल अप्रैल के आखिर में मुख्य कोच नियुक्त किया था। पीसीबी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ''पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आज घोषणा की कि जेसन गिलेस्पी अगले महीने ऑस्ट्रेलिया के सीमित ओवरों के दौरे पर पाकिस्तान की पुरुष क्रिकेट टीम के कोच होंगे। गैरी कर्स्टन ने अपना इस्तीफा सौंप दिया है, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।''

इस घटनाक्रम की जानकारी रखने वाले एक विश्वसनीय सूत्र ने कहा कि टेस्ट टीम के कोच गिलेस्पी ने पीसीबी से स्पष्ट कर दिया है कि वह चार नवंबर से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियाई दौरे पर ही सीमित ओवरों की टीम के कोच पद की जिम्मेदारी संभालेंगे तथा उनकी इन प्रारूप में स्थायी कोच बनने में दिलचस्पी नहीं है। सूत्र ने कहा, ''गिलेस्पी ने बोर्ड को सूचित कर दिया है कि जिंबॉब्वे के खिलाफ और उसके बाद होने वाले सीमित ओवरों के मैचों के लिए उन्हें कोई दूसरा कोच नियुक्त करना होगा।''

पीसीबी ने कर्स्टन के अचानक लिए गए इस फैसले का कोई कारण नहीं बताया लेकिन सूत्रों ने पुष्टि की कि ऑस्ट्रेलिया और जिंबॉब्वे दौरे के लिए टीम का चयन करने और नया कप्तान नियुक्त करने के लिए उनकी राय नहीं लिए जाने से दक्षिण अफ्रीका का यह पूर्व क्रिकेटर नाखुश था। इससे पहले पीसीबी ने टीम के चयन से जुड़े उनके अधिकार वापस ले लिए थे, जिसे मतभेद का मुख्य कारण माना जा रहा है। टीम का चयन करना अब विशेष रूप से चयन समिति का क्षेत्र है। सूत्र ने कहा, ''बोर्ड ने जिस तरीके से उनके चयन के अधिकार वापस लिए उससे कर्स्टन खुश नहीं थे और उन्होंने इस्तीफा देने से पहले रविवार को पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी के सामने भी यह बात स्पष्ट कर दी थी।''

सूत्रों के अनुसार गिलेस्पी भी जल्द इस्तीफा दे सकते हैं क्योंकि वह भी मौजूदा बदलाव से खुश नहीं हैं कि टीमों का चयन अब केवल चयन समिति द्वारा किया जाता है और कोचों की इसमें कोई भूमिका नहीं है। दक्षिण अफ्रीका का यह पूर्व बल्लेबाज पाकिस्तान की टीम से जुड़ने से पहले इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी गुजरात टाइटन्स

का बल्लेबाजी कोच था। पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम को तीन वनडे और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के लिए अगले सप्ताह ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर जाना है। उसकी टेस्ट टीम ने हाल में समाप्त हुई तीन मैच की श्रृंखला में इंग्लैंड को 2-1 से हराया था।

शमी के नहीं होने के बाद भी भारतीय गेंदबाजी काफी मजबूत, हल्के में नहीं लेगी ऑस्ट्रेलिया : मैकडोनाल्ड

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि अगले माह होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी नहीं खेलेंगे पर इसके बाद भी भारतीय गेंदबाजी आक्रमक को कमजोर नहीं माना जा सकता है। मैकडोनाल्ड के अनुसार भारतीय टीम के पास जो रिजर्व तेज गेंदबाज हैं। वे भी काफी अच्छे हैं। कोच के अनुसार पांच टेस्ट मैच की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला के दौरान भारत को मोहम्मद शमी की कमी खलेगी पर उनकी जगह लेने वाले कई अच्छे गेंदबाज हैं। गौरतलब है कि शमी ने 2018 में ऑस्ट्रेलिया दौरे में भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वह टखने की चोट के कारण गत वर्ष हुए एकदिवसयी विश्व कप फाइनल के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर हैं। उनका सर्जरी भी हुई थी जिसके बाद वह अभी तक फिट नहीं हो पाये हैं। अभी वह राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में हैं। हाल में उनके घुटनों में सूजन आ गई जिससे उनकी पूर्ण फिटनेस हासिल करने की प्रक्रिया प्रभावित हुई।

मैकडोनाल्ड ने कहा, ' शमी की अनुपस्थिति उनके लिए बहुत बड़ा झटका है। जिस तरह से हमारे बल्लेबाज

उनके जज्बे, उनकी लाइन और लेंथ और अपने काम के प्रति उनके समर्पण की बात करते हैं उसे देखते हुए भारत को उनकी कमी खेलगी। तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी को पहली बार मौका दिया है। तेज गेंदबाज आकाश दीप और प्रसिद्ध कृष्णा को भी ऑस्ट्रेलिया के दौरे के लिए भारतीय टीम में जगह मिली है। वहीं तेज गेंदबाजी अक्रमकण की कमान मुख्य गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पास रहेगी।

मैकडोनाल्ड ने कहा, 'लेकिन हम जानते हैं कि पिछली बार क्या हुआ था। उनके रिजर्व खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करके भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, इसलिए उनके इन खिलाड़ियों को हम हल्के में बिल्कुल भी नहीं लेंगे। ऑस्ट्रेलिया घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा बल्लेबाज सैम कोन्स्टास को अपनी टीम में चुन सकता है। वह उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं।

तब हम अंतिम ओवर में हारे थे : मैक्सवेल

मुम्बई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स के लिए खेलते हुए कई रिकॉर्ड बनाए हैं। मैक्सवेल ने अपनी किताब द शोमैन में अपनी आईपीएल यात्रा के बारे में भी बताया है। मैक्सवेल 2014 में किंग्स इलेवन पंजाब में शामिल हुए थे। उनकी टीम तब फाइनल में पहुंची थी पर वहां कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से हार गयी गई। मैक्सवेल ने इस आईपीएल में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 552 रन बनाए थे। पंजाब के साथ अपने अपने सफर को याद करते हुए मैक्सवेल ने कहा कि हम उस समय अंतिम ओवर में हार गए थे। इस किकेटर ने कहा कि आपका कितना भी अच्छा क्यों न हो पर ट्रॉफी के बिना सब बेकार है। साल 2014 के बाद पंजाब का प्रदर्शन गिर गया और वह अंक तालिका में आखिरी स्थानों पर रही। मैक्सवेल ने इसको लेकर कहा कि तब टीम के लिए कठिन समय था और एक युवा खिलाड़ी के रूप में उनके लिए इसे स्वीकार करना मुश्किल रहा था।

2017 में मैक्सवेल की एक बार फिर पंजाब टीम में वापसी हुई। तब वीरेन्द्र सहवाग टीम मेंटर बन गये थे। वहीं मैक्सवेल को कप्तानी मिली। मैक्सवेल ने कहा कि टीम बनते ही स्पष्ट हो गया था कि इसपर सहवाग का प्रभाव है। उन्होंने कोच जे अरुणकुमार के साथ मिलकर फैसले लेने की जिम्मेदारी ली, जिससे खिलाड़ियों और कोचों के बीच भ्रम पैदा हो गया। जिसका प्रभाव टीम पर पड़ा। मैक्सवेल ने कहा कि एक मुकाबले में इशांत शर्मा को आखिरी समय पर टीम में जगह दे दी गई जोकि निर्णय लेने में अव्यवस्था को दिखाता था। टीम पर सहवाग की पकड़ बढ़ती गई। जिससे उनके बीच मतभेद भी बढ़ने लगे। और निराशाजनक सीज़न के बाद मैक्सवेल और सहवाग के बीच तनाव चरम पर पहुंच गया।

करियर के आखिरी कुछ वर्षों में मैं जो भी क्रिकेट खेल रहा हूं, उसका लुत्फ उठाना चाहता हूं: धोनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने आईपीएल 2025 में खेल जारी रखने का संकेत देते हुए कहा कि वह खिलाड़ी के तौर पर अपने आखिरी कुछ वर्षों में जो भी क्रिकेट खेल रहे हैं उसका लुत्फ उठाना चाहते हैं। धोनी ने पिछले सत्र में रुतुराज गायकवाड़ को कप्तानी सौंपने के बाद काफी निचले क्रम में बल्लेबाजी की थी। इससे उनके भविष्य को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी थी। आईपीएल में सभी फ्रेंचाइजी को मेगा नीलामी से पहले 31 अक्टूबर तक अपने रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची जमा करनी होगी। इस साल सीएसके द्वारा धोनी को एक अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में बरकरार रखा जा सकता है।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रविवार की रिपोर्ट के मुताबिक धोनी ने गोवा में कुछ दिन पहले आयोजित एक प्रचार कार्यक्रम में कहा, ''मैं अपने आखिरी कुछ वर्षों में जो भी क्रिकेट खेल सका हूं उसका आनंद लेना चाहता हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं खेल का वैसे ही आनंद लेना चाहता हूं जैसे कि बचपन में हम शाम चार बजे बाहर जाते थे और खेलते थे, बस खेल का आनंद लेते थे। जब आप खेल को पेशेवर तौर पर खेलते हैं तो कई बार उसका लुत्फ उठाना मुश्किल हो जाता है। मैं जो भी करता हूं उसमें भावनाएं और प्रतिबद्धताएं जुड़ी होती हैं, लेकिन मैं अगले कुछ वर्षों तक खेल का आनंद लेना चाहता हूँ।''

पिछले सप्ताह चेन्नई सुपरकिंग्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कासी विश्वनाथन ने भी कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि धोनी आगामी सत्र में खिलाड़ी के तौर पर टीम का हिस्सा होंगे। धोनी ने 2023 में बाएं घुटने की सर्जरी कराने के बाद 2024 के आईपीएल सत्र के दौरान निचले क्रम में बल्लेबाजी की। भारत के पूर्व कप्तान ने बताया कि यह निर्णय मुख्य रूप से टी20 विश्व कप से पहले युवा भारतीय खिलाड़ियों को मैदान में समय बिताने का मौका देने के लिए किया गया था। धोनी ने कहा, ''मेरी सोच सरल थी, अगर अन्य लोग अपना काम अच्छा कर रहे हैं तो मुझे ऊपरी क्रम में आने की जरूरत क्यों है।''

उन्होंने कहा, ''अगर आप विशेष रूप से पिछले साल (सत्र) के बारे में बात कर रहे हैं, तो टी20 विश्व कप टीम की घोषणा जल्द ही होने वाली थी। इसलिए हमें उन लोगों को मौका देना होगा राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दौड़ में थे।'' भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा, ''हमारी टीम (सीएसके) में (रविंद्र) जडेजा और शिवम दुबे जैसे खिलाड़ी थे जिन्हें भारतीय टीम में आने के लिए खुद को साबित करने का मौके चाहिये थे। मेरे लिए इसमें कुछ भी नहीं था, कोई चयन नहीं और अन्य

चीजें। इसलिए मैं (निचले क्रम में खेलते हुए) अच्छा हूं और मैं जो कर रहा था उससे मेरी टीम खुश थी।

अब टेनिस खेलते हुए नजर आयेंगे फोर्लान

मोंटेवीडियो । उरुग्वे के पूर्व फुटबॉलर डिएगो फोर्लान अब टेनिस खेलते हुए नजर आयेंगे। फोर्लान अगले माह एटीपी चैलेंजर टूर्नामेंट के युगल मुकाबले में खेलकर पेशेवर टेनिस में उतरेंगे। टूर्नामेंट के आयोजकों ने कहा है कि 45 साल के फोर्लान क्ले कोर्ट उरुग्वे ओपन में अर्जेंटीना के फेडेरिको कोरिया के साथ खेलेंगे। यह

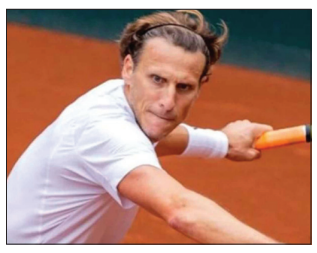

टूर्नामेंट 11 नवंबर से शुरू होगा। फोर्लान ने साल 2019 में ही फुटबॉल को अलविदा कह दिया था। उन्होंने राष्ट्रीय टीम के अलावा फोर्लान मैनचेस्टर यूनाइटेड, एटलेटिको मैड्रिड, इंटरनेजियोनेल और पेनारोल जैसे क्लबों से खेला है। उन्होंने उरुग्वे को 2010 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचाने और 2011 में कोपा अमेरिका खिताब जीतने में भी सहायता की थी। फोर्लान पिछले साल से ही आईटीएफ मास्टर्स टूर्नामेंट खेल रहे हैं। उनके पिता पाब्लो फोर्लान ने भी फुटबॉल करियर के खत्म होने के बाद टेनिस खेला था। उरुग्वे के इस पूर्व स्ट्राइकर ने कहा, 'मेरे पिता ने 41 साल की उम्र में खेलना शुरू किया था अब मैं भी वहीं करना चाहता हूं।

कमाई में युवराज से कहीं आगे हैं धोनी

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी और ऑलराउंडर युवराज सिंह अपने दौर के सबसे अच्छे खिलाड़ियों में से एक रहे हैं। धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम ने जहां साल 2007 और 2011 के विश्वकप जीते। वहीं इसमें धोनी के अलावा युवराज के ऑलराउंड प्रदर्शन की भी अहम भूमिका रही। युवराज अपने आक्रामक खेल के लिए जाने जाते हैं। इन दोनो ने ही खेल से करोड़ों की कमाई की है। संन्यास के बाद भी इनकी लोकप्रियता में कम नहीं आयी है और ये दोनो ही कई कंपनियों के ब्रांड एबेसेडर हैं पर एक रिपोर्ट के अनुसार कमाई के मामले में धोनी, युवराज से काफी आगे हैं। महेन्द्र सिंह धोनी की बात करें तो धोनी की कुल नेट वर्थ 1000 करोड़ से अधिक है। उनकी कमाई का मुख्य जरिया ब्रांड एंडोर्समेंट और क्रिकेट है। धोनी आज भी क्रिकेट खेल रहे हैं. आईपीएल में खेलने के लिए उन्हें 12 करोड़ रुपए मिलते हैं। ब्रांड एंडोर्समेंट करने के लिए वह करोड़ों की राशि लेते हैं। वह ड्रीम 11 समेत कई अन्य कंपनियों जैसी कंपनियों के लिए प्रचार करते हैं. धोनी के पास कार, बाइक्स का भी एक बड़ा कलेक्शन है.

महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम की घोषणा, सलीमा टेटे को कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार के नवनिर्मित राजगीर हॉकी स्टेडियम में 11 से 20 नवंबर तक होने वाली एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए सलीमा टेटे की अगुवाई में सोमवार को 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की गई। नवनीत कौर को टीम का उपकप्तान नियुक्त किया गया है। भारत ने पिछले साल रांची में हुए आयोजन में खिताब जीता था लेकिन उसके बाद से टीम के प्रदर्शन में गिरावट आई है।

इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में टीम को मौजूदा ओलंपिक रजत पदक विजेता चीन, जापान, कोरिया, मलेशिया और थाईलैंड सहित पांच अन्य देशों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। भारत अपने अभियान की शुरुआत 11 नवंबर को मलेशिया के खिलाफ करेगा। टीम के चयन और टूर्नामेंट के लिए उनकी तैयारी पर मध्य पंक्ति की खिलाड़ी सलीमा ने कहा, 'एक और बड़े टूर्नामेंट में टीम का नेतृत्व करना एक शानदार एहसास है। हम गत चैम्पियन के रूप में टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे। यह इसे और भी खास बनाता है।'

उन्होंने कहा, 'हमने कड़ी ट्रेनिंग की है।

हमारे पास अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के साथ एक मजबूत टीम है। हमारा लक्ष्य अपने खिताब की रक्षा करना और उसी जुनून और दृढ़ संकल्प के साथ खेलना है जो हमने पिछले साल दिखाया था।' टीम में गोलकीपर की भूमिका अनुभवी सविता और उभरती प्रतिभा बिचू देवी खारीबाम साझा करेंगी। रक्षापंक्ति की जिम्मेदारी उदिता, ज्योति, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम और वैष्णवी विट्ठल फाल्के के पास होगी। मध्यपंक्ति में टेटे का साथ नेहा, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, और लालरेम्सियामी टीम को मजबूती प्रदान करेंगी। अग्रिम पंक्ति में नवनीत कौर, संगीता कुमारी, दीपिका, प्रीति दुबे और ब्यूटी डुंगडुंग टीम की मारक क्षमता को बढ़ाएंगी। सुशीला और ब्यूटी चोट से उबरने के बाद टीम से वापसी कर रही है। भारतीय उपकप्तान नवनीत ने कहा, 'हमें अपनी तैयारी और एक दूसरे के साथ पर भरोसा है। अपने घरेलू दर्शकों के सामने खेलना उत्साहजनक है और हम एशिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने कहा, ÷सलीमा के साथ खेलने का अनुभव बहुत अच्छा रहा और हम इस टूर्नामेंट को यादगार बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

भारतीय टीम

गोलकीपर: सविता, बिचू देवी खारीबाम।

डिफेंडर: उदिता, ज्योति, वैष्णवी विट्ठल फाल्के, सुशीला चानू पुखरामबम, इशिका चौधरी।

मिडफील्डर : नेहा, सलीमा टेटे, शर्मिला देवी, मनीषा चौहान, सुनेलिता टोप्पो, लालरेम्सियामी।

फॉरवर्ड : नवनीत कौर, प्रीति दुबे, संगीता कुमारी, दीपिका, ब्यूटी डुंगडुंग।

अब तीसरे टेस्ट में भारतीय टीम लगाएगी पूरा जोर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के लिए यहां 1 नवंबर से मेहमान टीम न्यूजीलैंड के साथ होने वाला तीसरा और अंतिम टेस्ट मैच बेहद अहम होगा। भारतीय टीम का लक्ष्य वानखेड़े स्टेडिमय में होने वाले इस मैच को हर हाल में जीतना रहेगा। पहले दो मैचों में हार से भारतीय टीम के हाथों से सीरीज पहले ही निकल गयी है। इसके अलावा उसके विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की संभावनाओं पर भी प्रभाव पड़ा है। अब देखना है कि इस मैच में भारतीय टीम की क्या रणनीति होती है। अब भारतीय टीम के सामने वानखेड़े में कीवी टीम के खिलाफ आखिरी टेस्ट मैच में न सिर्फ प्रतिष्ठा बचाने की चुनौती होगी, बल्कि डब्ल्यूटीसी को ध्यान में रखकर मुकाबला भी जीतना होगा। घरेलू धरती में टीम इंडिया के खराब प्रदर्शन ने कई सवाल खड़े किए हैं। इससे कोच, कप्तान और अनुभवी बल्लेबाजी विराट कोहली भी निशाने पर हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ न तो गंभीर की कोचिंग काम आई और न ही कप्तान रोहित की रणनीति। जबकि, विराट कोहली बल्ले से लगातार संघर्ष कर रहे हैं। जसप्रीत बुमराह की गेंदबाजी में भी वो पुरानी धार नजर नहीं आई। अब सवाल यह है कि जब खिलाड़ी ही विफल रहेंगे तो अन्य खिलाड़ियों से क्या उम्मीद की जाए। पिछले 12 साल में टीम इंडिया को अपने ही घर में पहली बार किसी टीम से टेस्ट सीरीज में हार का सामना करना पड़ा है और अब उसके सामने एक बड़ा खतरा है क्लीन स्वीप का। न्यूजीलैंड ने तो इतिहास बना दिया लेकिन अब टीम इंडिया क्लीन स्वीप से बचना चाहेगी। अगर, कीवी टीम वानखेड़े टेस्ट भी जीतने में सफल होगी तो यह एक बड़ा रिकॉर्ड होगा क्योंकि भारतीय क्रिकेट टीम का घर पर कभी भी लगातार तीन मैच नहीं हारी है। माना जा रहा है कि तीसरे टेस्ट से पहले टीम इंडिया मुंबई में 30 और 31 अक्टूबर को अभ्यास करेगी। ये सत्र सभी खिलाड़ियों के लिए अनिवार्यहोगा। रोहित, कोहली और बुमराह जैसे सीनियर प्लेयर्स को भी आराम नहीं मिलेगा।

सेंटनर ने भारतीय बल्लेबाजों की पोल खोली : साइमन डूल

पुणे। न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज साइमन डूल ने कहा है कि भारतीय टीम की हार के लिए उसके बल्लेबाजों का खराब प्रदर्शन सबसे बड़ा कारण रहा है। डूल के अनुसार भारतीय बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में असफल रहे। भारतीय बल्लेबाज बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के सामने बेबस दिखे। सेंटनर ने दूसरे टेस्ट में 13 विकेट विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलायी। पूर्व क्रिकेटर ने कहा, 'यह धारणा गलत साबित हुई है कि भारतीय बल्लेबाज स्पिन के बेहतर खिलाड़ी हैं, सेंटनर ने उनकी पोल खोल दी है। मुझे लगता है कि उनके पास बेहतर स्पिनर हैं जिससे वे विपक्षी बल्लेबाजों पर अंकुश लगा देते हैं। डूल ने कहा कि न्यूजीलैंड का स्पिन आक्रमण विश्व स्तरीय नहीं है और उनके सामने भारतीय बल्लेबाजों का कमजोर प्रदर्शन उनके लिए चिंता का कारण बन गया है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि आपको इस तरह के अच्छे विकेटों पर खेलने की आदत हो जाएगी। लेकिन जब पिच टर्न लेना शुरू करती है तो आपकी कमजोरी सामने आ जाती है। भारत लंबे समय तक टर्निंग विकेट पर खेलता रहा है। उसके पास अब भी रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा के रूप में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर हैं। डूल ने कहा, 'उनके गेंदबाज अन्य टीमों को कम स्कोर पर आउट करने में सक्षम हैं पर इस टेस्ट मैच में न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने उसके बल्लेबाजों को नहीं चलने दिया जबकि हमारी टीम के पास विश्व स्तरीय स्पिन गेंदबाजी आक्रमण नहीं है।

चिराग चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बने, किर्गिस्तान के कराचोव को हराकर जीता गोल्ड

सिडनी (एजेंसी)। तिराना (अल्बानिया) ÷चिराग चिक्कारा अंडर-23 विश्व चैंपियन बनने वाले तीसरे भारतीय पहलवान बन गए हैं जिसकी मदद से भारत ने यहां चल रहे इस आयु वर्ग टूर्नामेंट में एक स्वर्ण और रजत सहित नौ पदक जीते। पुरुषों की फ्रीस्टाइल 57 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा कर रहे चिक्कारा ने किर्गिस्तान के अब्दिमालिक कराचोव पर अंतिम सेकंड में 4-3 से जीत दर्ज की। वह पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता अमन सहरावत के बाद अंडर-23 चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने वाले दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

सहरावत ने 2022 में इस प्रतियोगिता के इसी वजन वर्ग में यह उपलब्धि हासिल की थी, जबकि रीतिका हुडा पिछले साल 76 किग्रा वर्ग में जीत दर्ज करके टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनी थीं। रवि कुमार दहिया ने 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। चिक्कारा ने फाइनल में पहुंचने से पहले प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने प्री-क्वार्टर फाइनल में गौकोटो ओजावा को 6-1 से, अंतिम आठ चरण में इयुनुस इवबातीरोव को 12-2 से और सेमीफाइनल में एलन ओरलबेक को 8-0 से हराया।

पुरुषों की फ्रीस्टाइल श्रेणी में भारत के पदकों में दो कांस्य पदक भी शामिल हैं। इससे वह 82 अंक लेकर टीम तालिका में ईरान (158), जापान (102) और अजरबैजान (100) से पीछे चौथे स्थान पर है। भारत ने पुरुषों की फ़्रीस्टाइल में दो और कांस्य पदक जीते, जिससे इस वर्ग में देश के पदकों की संख्या चार हो गई। विक्की ने पुरुषों की 97 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में अंडर-20 विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता और यूक्रेन के यूरोपीय जूनियर चैंपियन इवान प्राइमाचेंको को 7-2 से हराकर कांस्य पदक जीता।

विक्की ने पहले दौर में जॉर्जिया के मेरब सुलेमानिश्विली को और क्वार्टरफाइनल में मोल्दोवा के राडू लेफ्टर को हराया था लेकिन सेमीफाइनल में वह ईरान के महदी हाजीलोइयन मोराफा से हार गए थे। पुरुषों की 70 किग्रा फ्रीस्टाइल में सुजीत कलकल ने 0-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए ताजिकिस्तान के मुस्तफो अखमेदोव को 13-4 से हराकर कांस्य पदक जीता। सुजीत ने पहले दौर में जॉर्जी एंटोनोव जिजगोव को 10-0 से, प्री-क्वार्टर में तुग्सजर्गल एर्डेनेबैट को 7-4 से और क्वार्टर फाइनल में नारेक पोहोसियन को 6-1 से हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में वह मैगोमेद बसिहर खानिएव से 4-8 से हार गए थे।

इससे पहले अभिषेक ढाका ने कांस्य पदक जीता था। इस तरह से भारत ने फ्रीस्टाइल में चार पदक (एक स्वर्ण और तीन कांस्य) जीतकर अपने पिछले साल के प्रदर्शन में सुधार किया। पिछले साल भारत ने फ्रीस्टाइल वर्ग में दो कांस्य पदक जीते थे। भारतीय महिला कुश्ती टीम ने भी एक रजत और तीन कांस्य पदक जीत कर अच्छा

प्रदर्शन किया। अंजलि ने 59 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता, जबकि नेहा शर्मा (57 किग्रा), शिक्षा (65 किग्रा) और मोनिका (68 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। इसके अलावा विश्वजीत मोरे ने पुरुषों के 55 किग्रा ग्रीको-रोमन वर्ग में कांस्य पदक जीता।

शमी ने प्रशंसकों से माफी मांगी , कहा शीघ्र वापसी करुंगा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले मैच फिटनेस हासिल नहीं कर पाने के लिए प्रशंसकों और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से माफी मांगी है। शमी को पूरी तरह से फिट नहीं होने के कारण ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए शामिल नहीं किया गया है। साथ ही कहा कि मैं शीघ्र ही वापसी करुंगा। भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया में पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर सीरीज खेलनी है। शमी ने सर्जरी के बाद राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में अपना 'रिहैबिलिटेशन पूरा कर लिया है पर उनके घुटनों की सूजन अभी तक ठीक नहीं हुई है। इस कारण उनकी वापसी नहीं हो पायी है। शमी ने हालांकि कहा था कि उन्हें कोई दर्द नहीं है। इस तेज गेंदबाज ने कहा, 'मैं प्रयास कर रहा हूं और दिन-प्रतिदिन अपनी गेंदबाजी फिटनेस को ठीक करने का प्रयास कर रहा हूं। मेरा लक्ष्य भी मैच के लिए तैयार होने के लिए लाल गेंद से घरेलू क्रिकेट खेलना रहेगा। सभी क्रिकेट प्रशंसकों और बीसीसीआई से भी माफी मांगता हूं पर बहुत जल्द मैं लाल गेंद क्रिकेट खेलने के लिए तैयार रहूंगा। शमी चोट के कारण लंबे समय तक बाहर रहने के बाद नवंबर के पहले सप्ताह में कर्नाटक के खिलाफ बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी मैच में खेलकर वापसी कर सकते हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के लिए नहीं चुना गया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दिवाली में लिविंग रूम को सजाते समय आप भी रखें इन बातों का ध्यान

घर का लिविंग रूम सब के लिए खास होता है। यह एक ऐसा रूम है जहां घर के सभी लोग एक साथ बैठ के क्वॉलिटी टाइम बिताते हैं। घर में आने वाले मेहमान भी लिविंग रूम में बैठते हैं। यही नहीं, किसी भी पार्टी के लिए लिविंग रूम का बड़ा ही महत्व रहता है क्यूंकि, ये वो जगह है, जहां घर की पार्टी का इंतजाम किया जाता है। अगर लिविंग रूम अट्रैक्टिव होता है, तो पार्टी की रौनक और भी बढ़ जाती है, अगर अस्त-व्यस्त हो, तो पार्टी का मजा किरकिरा हो जाता है। इस दिवाली अगर आप भी दिवाली पार्टी के लिए लिविंग रूम को शानदार तरीके से डेकोरेट करना चाहती हैं, तो आपको कुछ बुनियादी बातों पर ध्यान देना चाहिए।

वैसे तो दिवाली के दिन सभी घरों में लाइट की व्यवस्था खूब रहती है लेकिन, जब दिवाली के दिन घर पर मेहमानों के साथ पार्टी रखी है, तो आपको अन्य दिनों के मुकाबले कुछ अधिक लाइट लगा लेनी चाहिए। अगर ठीक से लाइट नहीं हो तो पार्टी के साथ कमरे की सजावट खराब हो जाती है। हो सके तो पार्टी वाले दिन रंग-बिरंगी लाइट को लिविंग रूम में लगाने से बचे क्यूंकि, खाना खाने के दौरान बहुत कम लोग ही इस तरह की लाइट्स को पसंद करते हैं।

गलत कालीन को करें साइड

दिवाली पार्टी वाले दिन आप लिविंग रूम में कालीन ना ही लगाएं तो बेहतर है। अगर आप सफेद कलर का कालीन लिविंग रूम में लगाने वाली है, तो ये गलती भूल के भी नहीं कीजियेगा, क्यूंकि एक बार अगर कालीन पर दाग लग गए फिर उसके बाद उस दाग को निकालने में आपको ही मेहनत करनी पड़ सकती है। इसलिए दिवाली पार्टी के दिन कालीन बिछाने के लिए रंग का चयन करते समय ये जरूर याद रखें।

टेबल, कुर्सी का रखें ध्यान

वैसे तो लिविंग रूम एक तरह से टेबल, कुर्सी या सोफा सेट के लिए जाना जाता है लेकिन, दिवाली पार्टी वाले दिन लिविंग रूम में अधिक कुर्सी और सोफा सेट रखने से बचें, क्यूंकि इससे लिविंग रूम की जगह भी कम हो जाती है, और लिविंग रूम एकदम से भरा-भरा दिखने लगता है, जिसके चलते कई बार आने-जाने के लिए जगह की कमी हो जाती हैं। पार्टी के लिए आप एक बड़ा सा टेबल का इस्तेमाल कीजिए जिस पर एक साथ सभी बैठकर खाना खा सके।

सेटिंग चेंज करें

लिविंग रूम को अट्रैक्टिव दिखाने के लिए इसकी सेटिंग चेंज करते रहें। अगर आपने पिछले कई महीनों से लिविंग रूम की सेटिंग चेंज नहीं की है, तो इस बार उसे भी कर लीजिए। कई बार सेटिंग चेंज करने से भी लिविंग रूम को अट्रैक्टिव बनाया जा सकता है। आप सोफा, टीवी और टेबल आदि की पोजीशन को चेंज कर दीजिये और ये भी ध्यान रखें कि कई चीजों को एक साथ ना रखें। लिविंग रूम को खुला खुला रखने की कोशिश करें ताकि बीच में आने-जाने की जगह बनी रहे।

दिवाली पर घर के हर कोने को लाइट्स से यूं सजाएं

दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। आज हम आपको बताएंगे कि घर के किस कोने में लाइट्स लगा सकते हैं और कौन सी लाइट घर के किस कॉर्नर के लिए अच्छी रहेगी।

दीवाली का त्योहार आते ही लोग अपने घर को सजाना-संवारना शुरू कर देते हैं। ज्यादातर लोग इस त्योहार पर लाइट्स से अपने घर को सजाते हैं। जाहिर है, दिवाली का त्योहार एक बार फिर से आने वाला है तो आपने अपने घर को सजाने के लिए नई लाइट्स तो खरीद ही ली होंगी। लाइट्स लगाने से घर में रौनक तो नजर आने ही लग जाती है मगर ऐसा तब ही होता है, जब आपने लाइट्स को सही स्थान पर लगाया हो। बहुत से लोग घर में जहां भी जगह पाते हैं, वहां लाइट्स लगा देते हैं, वहीं कुछ लोगों को तो यह भी नहीं पता होता है कि कौन सी लाइट को कहां और कैसे लगाना चाहिए।

एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया

अगर आप बाजार से डिजाइनर एलईडी और इलेक्ट्रिक दीया खरीद कर लाए हैं, तो उसकी प्लेसमेंट सही जगह करें। जहां एलईडी दीये से आप घर के किसी भी कॉर्नर, टेबल, बालकनी आदि को सजा सकते हैं, वहीं इलेक्ट्रिक दीये आपको मंदिर में रखने चाहिए। हालांकि, वास्तु के हिसाब से इसे सही नहीं माना जाता है, इसलिए इन दीयों के साथ-साथ असल के दीयों से भी मंदिर को सजाएं।

फॉलिंग एलईडी लाइट्स

अगर आपके घर में गार्डन है और गार्डन में पेड़ पौधे लगे हुए हैं, तो आप फॉलिंग एलईडी लाइट्स को पेड़ में लगा सकते हैं। इससे आपका गार्डन जगमगा जाएगा। आप इस तरह की लाइट्स को बालकनी में भी सजावट के लिए लगा सकती हैं।

राइस लाइट

घर पर मौजूद सेंटर टेबल को भी आप लाइट-अप कर सकती हैं। इसके लिए आप असली के दीयों के साथ-साथ किसी शीशे की बॉटल के अंदर राइस लाइट भी भर कर रख सकती हैं। इस बात का ध्यान रखें कि राइस लाइट को ऐसे स्थान पर रखें जहां कम रोशनी हो। अधिक रोशनी में इसे रखने से सारा मजा किरकिरा हो जाता है।

हैंगिंग लाइट्स

हैंगिंग लाइट्स का इस्तेमाल आप किसी भी स्थान पर कर सकती हैं। मगर इस बात का ध्यान रखें कि जब आप हैंगिंग लाइट लगा रही हों तो उसे दीवार से सटा कर न लगाएं। हां, अगर वॉल हैंगिंग लाइट है तो आप ऐसा कर सकती हैं। मगर सीलिंग हैंगिंग लाइट्स की खूबसूरती को निहारने के लिए सही तरह से उसे फिक्स करें।

एलईडी स्ट्रिप लाइट्स

अगर आपके घर के खिड़की-दरवाजों या फिर फर्नीचर को डेकोरेट करना है तो एलईडी स्ट्रिप लाइट्स का प्रयोग करें। इतना ही नहीं, घर के मंदिर को डेकोरेट करने के लिए भी आप इन लाइट्स का प्रयोग कर सकती हैं। इन लाइट्स को लगाते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि उस स्थान पर फिर और अधिक लाइट्स न लगाएं और इन्हें रनिंग मोड पर रखें, नहीं तो यह बहुत जल्दी खराब भी हो जाती हैं।

मेन डोर के लिए रंगोली डिजाइंस

दिवाली का त्योहार आते ही लोग तरह-तरह से अपने घर की सजावट शुरू कर देते हैं। वैसे हिंदू धर्म में हर त्योहार पर रंगोली बनाने को बहुत ही शुभ माना गया है।

वैसे तो घर के आंगन, रसोई के बाहर, पूजा स्थल पर और घर के मेन गेट आदि स्थानों पर रंगोली बनाई जा सकती है, मगर घर के मुख्य द्वार पर बनाई जाने वाली रंगोली हमेशा बहुत ही अर्थपूर्ण और आकर्षक होनी चाहिए, क्योंकि रंगोली का धार्मिक महत्व भी होता है। घर के मुख्य द्वार पर बनने वाली रंगोली की कुछ आसान और खूबसूरत डिजाइंस

लक्ष्मी जी के चरण वाली रंगोली

लक्ष्मी जी के चरण को बहुत ही शुभ माना जाता है। अमूमन लोग अपने घर में लक्ष्मी जी के चरणों के स्टीकर लगाते हैं। मगर वास्तु शास्त्र में प्लास्टिक को अशुभ माना जाता है और आमतौर पर बाजार में आपको प्लास्टिक के ही स्टीकर मिलेंगे। ऐसे में आप मुख्य द्वार पर लक्ष्मी जी के चरणों की रंगोली बना सकती हैं। यह रंगोली आप रंगोली के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रंगों से भी बना सकती हैं और ताजे फूलों से भी आप इस तरह की रंगोली बना सकती हैं। अगर आप बहुत ज्यादा मेहनत नहीं करना चाहती हैं, तो बहुत बड़ी रंगोली बनाने की जगह बॉर्डर डिजाइन ही बनाएं। यह कम समय और मेहनत में बन जाएगी।

कॉर्नर पर बनाएं रंगोली

आजकल ज्यादातर लोग फ्लैट्स में रहते हैं। ऐसे में मेन डोर पर रंगोली बनाने से आने-जाने वालों को दिक्कत हो सकती है। इतना ही नहीं, आपके द्वारा मेहनत से बनाई गई रंगोली खराब भी हो सकती है। ऐसे में आप मेन डोर के कॉर्नर पर रंगोली बना सकती हैं।

इस तरह की रंगोली के लिए आप मंडला आर्ट का चुनाव कर सकती हैं। मगर इसके लिए आपका आर्ट में माहिर होना बहुत जरूरी है। वैसे आपको बाजार में रेडीमेड नेट मिल जाएगा, जिसमें पहले से ही डिजाइन बनी होती है और आपको उसमें रंगोली के रंग भरने होते हैं। अगर आप खुद से ही मंडला आर्ट करके रंगोली बनाना चाहती हैं, तो आपको आटे की मदद से पहले आउटलाइन तैयार कर लेनी चाहिए और फिर रंगोली में रंग भरने चाहिए।

कमल देवी लक्ष्मी को अति प्रिय है। जगत पिता श्री हरि नारायण को भी कमल का फूल अति प्रिय है। वैसे तो घर के प्रवेश द्वार पर एक जल भरे पात्र में आपको खिला हुआ कमल का फूल रखना ही चाहिए। मगर यदि ऐसा संभव न हो तो आप प्रवेश द्वार पर कमल के फूल की डिजाइन वाली रंगोली भी बना सकती हैं। ऐसा कहा जाता है कि द्वार पर कमल का फूल देख कर देवी लक्ष्मी उस स्थान पर वास करने जरूर आती हैं।

फूल की रंगोली

घर के मुख्य द्वार पर आप फूलों की रंगोली भी बना सकती हैं। इसके लिए आप 2 से 3 तरह के फूल ले सकती हैं। फूलों की रंगोली से घर भी सुगंधित होता है, जिससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश होता है। फूलों की रंगोली बनाने के लिए आपको पहले ही आटे की मदद से आउटलाइन बना लेनी होगी। फिर आप फूलों की पंखुड़ियों से रंगोली को भर सकती हैं।

दीयों की रंगोली

दिवाली का त्योहार दीपों का त्योहार होता है। इसलिए आप दीयों से भी अपनी रंगोली को सजा सकती हैं। वास्तु शास्त्र के लिहाज से अगर आप चौमुखी दीपक को घर के प्रवेश द्वार पर जलाते हैं, तो चारों दिशाओं से सुख और समृद्धि आती है। ऐसे में आप दीपक की गोलाई में रंगोली बना सकती हैं। आप ऊपर दी गई तस्वीर में दिखाई गई डिजाइन से आइडिया ले सकती हैं।

कम समय में बनानी है खूबसूरत रंगोली तो ये 5 हैक्स करेंगे मदद

दिवाली पर अगर आप भी चाहती हैं कि घर पर खूबसूरत रंगोली बने और समय कम लगे तो किचन के कुछ सामान की मदद से आप परफेक्ट रंगोली बना सकती हैं।

दीवाली करीब आ गई है और अब घरों में रंगोली बनना शुरू हो गई होगी। कई लोग नवरात्र से शुरू करके दिवाली के बाद तक घरों के आंगन को रंगोली से सजाते हैं। यकीनन घर के बाहर अगर खूबसूरत डिजाइन की रंगोली बनी हो तो देखकर बहुत अच्छा लगता है। पर कई लोगों के साथ ये समस्या होती है कि उन्हें रंगोली की डिजाइन्स समझ नहीं आती और उन्हें इसे बनाने में बहुत समय लग जाता है। ऐसे में क्यों न हम कुछ ऐसे हैक्स का इस्तेमाल करें जिससे जल्दी से जल्दी रंगोली बन जाए। आज हम आपको कुछ ऐसे ही हैक्स बताने जा रहे हैं जो घर के सामान की मदद से ही अच्छी रंगोली बनाने में आपकी मदद कर सकते हैं। चम्मच, इयरबड, कंघी की मदद से आप खूबसूरत रंगोली डिजाइन्स बना सकते हैं। ये सभी बहुत आसानी से बनने वाले हैं और आपको इसमें समय बहुत कम लगेगा। तो चलिए जानते हैं कौन से हैं वो हैक्स

छलनी की मदद लें

आजकल ऐसी रंगोली का चलन बहुत ज्यादा है जहां अलग-अलग रंगों से बेस बनाया जाता है और उसके बाद सेंटर में सफेद या ऐसे ही लाइट रंगों से अलग-अलग तरह के डिजाइन्स बनाए जाते हैं। आप आप आटा छानने वाली छलनी में कलर डालकर एक गोलाकार सेंटर बना सकते हैं। इसके बाद चाय वाली छलनी में रंगों को भरकर उसी गोले के आस-पास कई रंगों के सर्कल बना सकते हैं। डिजाइन आप जो चाहें चुन लें छलनी की मदद से उसे बहुत आसानी से बना सकते हैं। इस तरह की रंगोली में कलर कॉम्बिनेशन का ध्यान रखना बहुत जरूरी होता है। अगर आपने सही कलर कॉम्बिनेशन नहीं रखा तो ये भी हो सकता है कि रंगोली बने तो परफेक्ट लेकिन खराब रंगों की वजह से खिली हुई सी न दिखे।

इयरबड की मदद से बनाएं खूबसूरत रंगोली

दिवाली की खूबसूरत रंगोली बनाने के लिए आप इयरबड्स की मदद भी ले सकते हैं। इनसे बहुत अच्छे डिजाइन्स बनाए जा सकते हैं। आपको करना बस ये है कि जिस तरह का डिजाइन भी आपने दिमाग में रखा है उसके हिसाब से रंग चुनने हैं। तस्वीर में जो रंगोली दिखाई गई है उसमें बेस व्हाइट रंग डालने के बाद अलग-अलग रंगों से बड़े डॉट्स फ्लोर पर बनाए गए थे। इसके बाद इयरबड की मदद से इन्हें पत्तियों वाला डिजाइन दिया गया है। आप भी इयरबड की मदद से खूबसूरत रंगोली की डिजाइन बना सकते हैं। बस ध्यान ये देना है कि जो डॉट्स आप बनाएं वो एक ही साइज के हों। इसके लिए आप किसी पतले नॉजल वाली बॉटल या रंगोली वाले कोन्स का इस्तेमाल कर सकती हैं।

चम्मच की मदद से बनाएं

जिस तरह हम इयरबड्स का इस्तेमाल कर रंगोली बना सकते हैं उसी तरह चम्मच का इस्तेमाल कर रंगोली भी बनाई जा सकती है। इसके लिए आपको उसी तरह के डॉट्स फ्लोर पर बनाने होंगे जैसे हमने इयरबड्स के समय बनाए थे और साथ ही चम्मच की मदद से उसे शेप देना होगा। आप परफेक्ट राउंड शेप के लिए किसी स्टील की प्लेट का इस्तेमाल भी कर सकते हैं और उसके इर्द-गिर्द उस तरह के डॉट्स बना सकते हैं जैसे तस्वीर में दिखाए गए हैं। ये ट्रिक फूलों वाली रंगोली बनाने के लिए काफी मददगार साबित हो सकती है।

चॉक की मदद से बनाएं रंगोली

आप रंगोली बनाने से पहले चॉक की मदद से उसकी डिजाइन पहले फ्लोर पर बना लें। ऐसा करने से आपको समय कम लगेगा और रंगोली के बिगड़ने की गुंजाइश भी कम हो जाएगी। आप चाहें तो गेहूं वाली छलनी (बड़े छेद वाली छलनी) की मदद से डॉट्स फ्लोर पर बनाकर डॉट्स वाली रंगोली भी बना सकती हैं। इन छोटे साइज के डॉट्स को कनेक्ट कर आप कई अच्छी डिजाइन्स तैयार कर सकती हैं।

फोर्क या कंघी का करें इस्तेमाल

अगर आपको किसी डिजाइन में बारीक लाइन्स चाहिए तो आप फोर्क या कंघी या फिर टूथपिक का इस्तेमाल कर सकती हैं। पहले बेस रंग फ्लोर पर डालें और उसके बाद टूथपिक, फोर्क या कंघी की मदद से उसपर मनचाहा डिजाइन बनाएं। इस तरह की रंगोली टाइल्स पर ज्यादा अच्छी तरह से बनती है।

ज्यादा दिनों तक चलने के साथ वेट कंट्रोल करेगी गुलाब नारियल बर्फी

गुलाब नारियल बर्फी एक ऐसी मिठाई है, जिसे आप कई दिनों तक रख सकते हैं। साथ ही नारियल होने की वजह से इसमें ज्यादा चीनी का इस्तेमाल भी नहीं करना पड़ता। इस वजह से इसे खाने से वेट भी नहीं बढ़ता। वहीं अगर आप चीनी खाना पूरी तरह छोड़ चुके हैं, तो आप चीनी की जगह गुड़ का इस्तेमाल करके भी गुलाब नारियल बर्फी बना सकते हैं। फेस्टिव सीजन खासकर दिवाली के लिए आप यह मिठाई बना सकते हैं।

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की सामग्री

- 1 कप मावा
- 2 कप नारियल पाउडर
- 3/4 कप चीनी बूरा
- 2-4 बूंद रोज एसेंस
- 1 टीस्पून इलायची पाउडर
- 1/4 टीस्पून रेड फूड कलर
- 2 टेबलस्पून पिस्ता कटे हुए
- 2 टेबलस्पून नारियल पाउडर

गुलाब नारियल बर्फी बनाने की विधि

सबसे पहले एक बर्तन में नारियल पाउडर, गुलाब एसेंस, इलायची पाउडर और चीनी बूरा डालकर मिक्स कर 20 मिनट के लिए ढककर रख दें। तय समय के बाद मीडियम आंच पर पैन रख दें। इसमें मावा, नारियल पाउडर वाला मिश्रण और चीनी डालकर इसके घुलने तक पकाएं। जब मिश्रण पैन छोड़ने लगे तब गैस बंद कर इसे प्लेट पर निकाल लें। मिश्रण को दो भागों में बांट लें। एक भाग में रेड फूड कलर मिलाएं। अब ट्रे पर घी लगाकर चिकना कर लें। पहले सादा मिश्रण डालें फिर ऊपर से कलर वाला मिश्रण डालकर सेट करें। इस पर नारियल पाउडर छिड़ककर कटे हुए पिस्ता डाल दें। ट्रे को फ्रिज में 1 घंटे तक सेट होने के लिए रख दें। तय समय के बाद फ्रिज से ट्रे निकाल लें। तैयार है गुलाब नारियल बर्फी। मनचाहे पीस में काटकर सर्व करें।

इस बार त्योहार पर बनाएं खाजा मिठाई

अगर आप त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की यह फेमस रेसिपी ट्राई कर सकती हैं।

भारत अपनी परंपराओं और स्वादिष्ट व्यंजनों के लिए जाना जाता है। हर राज्य की अपनी अलग संस्कृति और खान-पान है। यहां हर उत्सव को खास तरीके से मनाया जाता है, कई पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते हैं। अब दीपावली का त्योहार भी आने वाला है। त्योहार के मौके पर सभी के घरों में मिठाइयां बनने लगती हैं। ज्यादातर घरों में महिलाएं लड्डू बनाना पसंद करती हैं। लेकिन अगर आप इस बार त्योहार के मौके पर स्वीट्स में कुछ डिफरेंट बनाने की सोच रही हैं, तो आप आंध्र प्रदेश की फेमस मिठाई खाजा की यह रेसिपी ट्राई कर सकती हैं। आपको बता दें कि यह आंध्र प्रदेश की एक पारंपरिक डिश है, जिसे मैदा और शुगर सिरप में डीप करके तैयार किया जाता है। इसे लोग खास त्योहार के मौके पर बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, इसे कई नामों से पुकारा जाता है जैसे आंध्र चिरोटी, खाजा आदि। साथ ही, यह डिजर्ट बिहार में भी काफी लोकप्रिय है और बहुत से लोग इसे बिहारी खाजा के नाम से भी जानते हैं। आप इसे बहुत ही आसानी से बना सकती हैं, कैसे? आइए जानते हैं.

बनाने की विधि

- खाजा मिठाई बनाने के लिए सबसे पहले एक बाउल में मैदा छान लें और फिर इसमें सभी सामग्रियों जैसे बेकिंग पाउडर, घी आदि डालें और अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- अब आप आटे में पानी डालें और उसे अच्छी तरह से गूंथ लें। फिर 20 मिनट के लिए अलग रख दें।
- जब आटा अच्छी तरह से सेट हो जाए, तो आटे को रोल करें और आटे की बराबर मात्रा में लोइयां बना लें।
- अब सारी लोइयों को रोटी की तरह पतला-पतला बेल लें और साइड में बेल कर रख लें।
- अब आपको खाजा बनाना है, इसके लिए आप एक प्लेट में रोटी रखें और उसके ऊपर मैदा, घी लगा लें। ताकि आटे (रोटी) की लेयर आपस में चिपके नहीं।
- फिर उसके ऊपर दूसरी रोटी रखें और इसी तरह आप सारी बेली हुई रोटियों की परत बना लें।
- अब इन रोटियों को फोल्ड करके एक रोल बना लें। फिर रोल को साइड से पतला-पतला (ज्यादा नहीं) खाजा के शेप में काट लें।
- अब धीमी आंच पर कढ़ाही में तेल गर्म कर लें। जब तेल गर्म हो जाए, तो खाजा को डीप फ्राई कर लें।
- अब आपको चाशनी बनानी है, इसके लिए आप एक बर्तन में चीनी और पानी डालें और चाशनी तैयार कर लें।
- अब तले हुए खाजा को एक एक करके चाशनी में डाल दें और कुछ देर इसे ही छोड़ दें।
- फिर कुछ देर बाद चाशनी से खाजा निकल लें और अपने मेहमानों को सर्व करें।

धनतेरस

जिस प्रकार देवी लक्ष्मी सागर मंथन से उत्पन्न हुई थी उसी प्रकार भगवान धनवन्तरि भी अमृत कलश के साथ सागर मंथन से उत्पन्न हुए हैं। देवी लक्ष्मी हालांकि की धन देवी हैं परन्तु उनकी कृपा प्राप्त करने के लिए आपको स्वस्थ्य और लम्बी आयु भी चाहिए यही कारण है दीपावली दो दिन पहले से ही यानी धनतेरस से ही दीपामालाएं सजने लगती हैं।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन ही धन्वन्तरि का जन्म हुआ था इसलिए इस तिथि को धनतेरस के नाम से जाना जाता है। धन्वन्तरी जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथो में अमृत से भरा कलश था। भगवान धन्वन्तरी चुकि कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए ही इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परम्परा है। कहीं कहीं लोकमान्यता के अनुसार यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें 13 गुणा वृद्धि होती है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं।

प्रथा

धनतेरस के दिन चांदी खरीदने की भी प्रथा है। अगर सम्भव न हो तो कोइ बर्तन खरिदे। इसके पीछे यह कारण माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है जो शीतलता प्रदान करता है और मन में संतोष रूपी धन का वास होता है। संतोष को सबसे बड़ा धन कहा गया है। जिसके पास संतोष है वह स्वस्थ है सुखी है और वही सबसे धनवान है। भगवान धन्वन्तरी जो चिकित्सा के देवता भी हैं उनसे स्वास्थ्य और सेहत की कामना के लिए संतोष रूपी धन से बड़ा कोई धन नहीं है। लोग इस दिन ही दीपावली की रात लक्ष्मी गणेश की पूजा हेतु मूर्ति भी खरीदते हें। यह दिन व्यापारियों

कथा

धनतेरस की शाम घर के बाहर मुख्य द्वार पर और आंगन में दीप जलाने की प्रथा भी है। इस प्रथा के पीछे एक लोक कथा है, कथा के अनुसार किसी समय में एक राजा थे जिनका नाम हेम था। दैव कृपा से उन्हें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। 7ज्योंतिषियों ने जब बालक की कुण्डली बनाई तो पता चला कि बालक का विवाह जिस दिन होगा उसके ठीक चार दिन के बाद वह मृत्यु को प्राप्त होगा। राजा इस बात को जानकर बहुत दुखी हुआ और राजकुमार को ऐसी जगह पर भेज दिया जहां किसी स्त्री की परछाई भी न पड़े। दैवयोग से एक दिन एक राजकुमारी उधर से गुजरी और दोनों एक दूसरे को देखकर मोहित हो गये और उन्होंने गन्धर्व विवाह कर लिया। विवाह के पश्चात विधि का विधान सामने आया और विवाह के चार दिन बाद यमदूत उस राजकुमार के प्राण लेने आ पहुंचे। जब यमदूत राजकुमार प्राण ले जा रहे थे उस वक्त नवविवाहिता उसकी पत्नी का विलाप सुनकर उनका हृदय भी द्रवित हो उठा परंतु विधि के अनुसार उन्हें अपना कार्य करना पड़ा। यमराज को जब यमदूत यह कह रहे थे उसी वक्त उनमें से एक ने यमदेवता से विनती की हे यमराज क्या कोई ऐसा उपाय नहीं है जिससे मनुष्य अकाल मृत्यु के लेख से मुक्त हो जाए। दूत के इस प्रकार अनुरोध करने से यमदेवता बोले हे दूत अकाल मृत्यु तो कर्म की गति है इससे मुक्ति का एक आसान तरीका मैं तुम्हें बताता हूं सो सुनो। कार्तिक कृष्ण पक्ष की रात जो प्राणी मेरे नाम से पूजन करके दीप माला दक्षिण दिशा की ओर भेट करता है उसे अकाल मृत्यु का भय नहीं रहता है। यही कारण है कि लोग इस दिन घर से बाहर दक्षिण दिशा की ओर दीप जलाकर रखते हैं।

धन्वंतरि

धन्वन्तरि देवताओं के वैद्य हैं और चिकित्सा के देवता माने जाते हैं इसलिए चिकित्सकों के लिए धनतेरस का दिन बहुत ही महत्व पूर्ण होता है। धनतेरस के संदर्भ में एक लोक कथा प्रचलित है कि एक बार यमराज ने यमदूतों से पूछा कि प्राणियों को मृत्यु की गोद में सुलाते समय तुम्हारे मन में कभी दया का भाव नहीं आता क्या। दूतों ने यमदेवता के भय से पहले तो कहा कि वह अपना कर्तव्य निभाते है और उनकी आज्ञा का पालन करते हें परंतु जब यमदेवता ने दूतों के मन का भय दूर कर दिया तो उन्होंने कहा कि एक बार राजा हेमा के ब्रह्मचारी पुत्र का प्राण लेते समय उसकी नवविवाहिता पत्नी का विलाप सुनकर हमारा हृदय भी पसीज गया लेकिन विधि के विधान के अनुसार हम चाह कर भी कुछ न कर सके। एक दूत ने बातों ही बातों में तब यमराज से प्रश्न किया कि अकाल मृत्यु से बचने का कोई उपाय है क्या। इस प्रश्न का उत्तर देते हुए यम देवता ने कहा कि जो प्राणी धनतेरस की शाम यम के नाम पर दक्षिण दिशा में दीया जलाकर रखता है उसकी अकाल मृत्यु नहीं होती है। इस मान्यता के अनुसार धनतेरस की शाम लोग आँगन मे यम देवता के नाम पर दीप जलाकर रखते हैं। इस दिन लोग यम देवता के नाम पर व्रत भी रखते हैं।धनतेरस के दिन दीप जलाककर भगवान धन्वन्तरि की पूजा करें। भगवान धन्वन्तरी से स्वास्थ और सेहतमंद बनाये रखने हेतु प्रार्थना करें। चांदी का कोई बर्तन या लक्ष्मी गणेश अंकित चांदी का सिक्का खरीदें। नया बर्तन खरीदे जिसमें दीपावली की रात भगवान श्री गणेश व देवी लक्ष्मी के लिए भोग चढ़ाएं।

धनतेरस पर समृद्धि देते हैं कुबेर..

समस्त धन सम्पदा और ऐश्वर्य के स्वामी कुबेर के लिए धनतेरस के दिन शाम को 13 दीप समर्पित किए जाते हैं। कुबेर भूगर्भ के स्वामी हैं। कुबेर की पूजा से मनुष्य की आंतरिक ऊर्जा जागृत होती है और धन अर्जन का मार्ग प्रशस्त होता है।

निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें-

कुबेर मंत्र -

'यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि में देहि दापय स्वाहा।'

धनतेरस पर क्यों खरीदे जाते हैं बर्तन

धनतेरस दीपावली से दो दिन पहले अदित तिथि में मनाई जाती है। जिस प्रकार लक्ष्मीजी समुद्र मंथन से उत्पन्न हुई थी, उसी प्रकार भगवान धनवंतरी धन त्रयोदशी के दिन अमृत कलश के साथ समुद्र मंथन से उत्पन्न हुए हैं। दीपावली के दो दिन पहले से ही यानी धनतेरस से ही दीप प्रज्वलित करने का प्रचलन भी है।

कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि के दिन ही भगवान धनवंतरी का जन्म हुआ था, इसलिए इस तिथि को धन त्रयोदशी या धनतेरस के रूप में जाना जाता है।

भगवान धनवंतरी जब प्रकट हुए थे तो उनके हाथों में अमृत से भरा कलश था। भगवान धनवंतरी चूंकि कलश लेकर प्रकट हुए थे इसलिए इस अवसर पर बर्तन खरीदने की परंपरा है।

कहीं-कहीं लोकमतानुसार कहा जाता है कि इस दिन बर्तन, चांदी की वस्तु आदि की खरीदारी करने से उसमें तेरह गुना वृद्धि होती है। इस अवसर पर धनिया के बीज खरीद कर भी लोग घर में रखते हैं।

दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने खेतों में बोते हैं। कुछ लोग क्यारियों में भी बोते है। धनिया स्वास्थ्य के लिए उत्तम तो होता ही है, इसे स्वाद को बढ़ाने वाला भी माना गया है।

धनतेरस के दिन चांदी के बर्तन या जेवर खरीदने का भी प्रचलन है। माना जाता है कि यह चन्द्रमा का प्रतीक है, जो शीतलता प्रदान करता है और इसी दिन चन्द्र का हस्त नक्षत्र भी है।

पद्मावती मंत्र से पाएं सुख-समृद्धि

मंत्रों का जाप करने से मनुष्य को आध्यात्मिक शक्ति प्राप्त होती है। निष्ठा और विधिपूर्वक करने से इच्छित फल भी प्राप्त होता है। महालक्ष्मी पूजन में इस पद्मावती मंत्र का जाप करें।

नमो भगवती पद्मावती सर्वजन मोहनी,
सर्व कार्य करनी, मम विकट संकट हरणी,
मम मनोरथ पूरणी, मम चिंता चूरणी नमों।
पद्मावती नम स्वाहा॰।

उपरोक्त पद्मावती मंत्र की एक माला दीपावली से लेकर प्रतिदिन प्रात॰ आंतरिक भाव से जपने से मनुष्य को रोजगार और धन की प्राप्ति होती है।

धनतेरस पूजन में क्या करें

(अ) कुबेर पूजन

शुभ मुहूर्त में अपने व्यावसायिक प्रतिष्ठान में नई गादी बिछाएं अथवा पुरानी गादी को ही साफ कर पुनः स्थापित करें।

पश्चात नवीन बसना बिछाएं।

सायंकाल पश्चात तेरह दीपक प्रज्वलित कर तिजोरी में कुबेर का पूजन करते हैं।

कुबेर का ध्यान

निम्न ध्यान मंत्र बोलकर भगवान कुबेर पर फूल चढ़ाएं -

श्रेष्ठ विमान पर विराजमान, गरुड़मणि के समान आभावाले, दोनों हाथों में गदा एवं वर धारण करने वाले, सिर पर श्रेष्ठ मुकुट से अलंकृत तुंदिल शरीर वाले, भगवान शिव के प्रिय मित्र निधीश्वर कुबेर का मैं ध्यान करता हूं।

इसके पश्चात निम्न मंत्र द्वारा चंदन, धूप, दीप, नैवेद्य से पूजन करें -

यक्षाय कुबेराय वैश्रवणाय धन-धान्य अधिपतये
धन-धान्य समृद्धि मे देहि दापय स्वाहा।

इसके पश्चात कपूर से आरती उतारकर मंत्र पुष्पांजलि अर्पित करें।

(ब) यम दीपदान

* तेरस के सायंकाल किसी पात्र में तिल के तेल से युक्त दीपक प्रज्वलित करें।

* पश्चात गंध, पुष्प, अक्षत से पूजन कर दक्षिण दिशा की ओर मुंह करके यम से निम्न प्रार्थना करें-

मृत्युना दंडपाशाभ्याम्‌ कालेन श्यामया सह।
त्रयोदश्यां दीपदानात सूर्यजः प्रयतां मम।

अब उन दीपकों से यम की प्रसन्नता के लिए सार्वजनिक स्थलों को प्रकाशित करें।

इसी प्रकार एक अखंड दीपक घर के प्रमुख द्वार की देहरी पर किसी प्रकार का अन्न (साबूत गेहूं या चावल आदि) बिछाकर उस पर रखें। (मान्यता है कि इस प्रकार दीपदान करने से यम देवता के पाश और नरक से मुक्ति मिलती है।)

यमराज पूजन

* इस दिन यम के लिए आटे का दीपक बनाकर घर के मुख्य द्वार पर रखें।

* रात को घर की स्त्रियां दीपक में तेल डालकर चार बत्तियां जलाएं।

* जल, रोली, चावल, गुड़, फूल, नैवेद्य आदि सहित दीपक जलाकर यम का पूजन करें।

मंगल कलश शांति का संदेशवाहक

धर्मशास्त्रों के अनुसार कलश में सम्पूर्ण देवता समाए हुए हैं। कलश को सुख-समृद्धि, वैभव और मंगल कामनाओं का प्रतीक माना गया है।

कलश में भरा पवित्र जल इस बात का संकेत हैं कि हमारा मन भी जल की तरह हमेशा ही शीतल, स्वच्छ एवं निर्मल बना रहें। हमारा मन श्रद्धा, तरलता, संवेदना एवं सरलता से भरे रहें। यह क्रोध, लोभ, मोह-माया, ईर्ष्या और घृणा आदि कुत्सित भावनाओं से हमेशा दूर रहें।

कलश पर लगाया जाने वाला स्वस्तिष्क का चिह्न चार युगों का प्रतीक है। यह हमारी 4 अवस्थाओं, जैसे बाल्य, युवा, प्रौढ़ और वृद्धावस्था का प्रतीक है।

पौराणिक शास्त्रों के अनुसार मानव शरीर की कल्पना भी मिट्टी के कलश से की जाती है। इस शरीररूपी कलश में प्राणिरूपी जल विद्यमान है। जिस प्रकार प्राणविहीन शरीर अशुभ माना जाता है, ठीक उसी प्रकार रिक्त कलश भी अशुभ माना जाता है।

इसी कारण कलश में दूध, पानी, पान के पत्ते, आम्रपत्र, केसर, अक्षत, कुंमकुंम, दुर्वा-कुश, सुपारी, पुष्प, सूत, नारियल, अनाज आदि का उपयोग कर पूजा के लिए रखा जाता है। इसे शांति का संदेशवाहक माना जाता है।

दो से अधिक रत्नों से करें परहेज

कई बार एक व्यक्ति दो या दो से अधिक रत्न धारण कर लेते हैं। आजकल तो व्यक्ति पांचों उंगलियों में और एक से अधिक रत्न एक ही उंगली में धारण कर लेते हैं। इससे रत्नों का फल निष्फल या विपरीत भी हो जाता है। योतिष शास्त्रानुसार दो या दो से अधिक रत्नों को धारण करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। समान तत्व वाली राशियों के स्वामी के तथा मित्र ग्रहों के रत्नों को ही एकसाथ धारण करना चाहिए। शत्रु ग्रहों के रत्नों को धारण करना निषेध है।

र त्नों का ग्रहों की राशियों से केवल गहरा संबंध ही नहीं है, वह व्यक्ति के जीवन को व्यापक स्तर पर प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। अगर रत्नों का सही ढंग से चुनाव किया जाए तो वे धारण करने वाले व्यक्ति को विरोधी शक्तियों का डटकर सामना करने की शक्ति और जीवन ऊर्जा से भरपूर बनाने में सामर्थ्‌य देते हैं।

रत्न धारण से जो ग्रह शुभ स्थानों के स्वामी होकर अशुभ स्थानों में स्थित हो जाता है तो वह निर्बल हो जाता है तो इससे संबंधित रत्न धारण से ग्रह को शक्ति मिलती है और जो अशुभ स्थान का स्वामी हो, पाप ग्रहों की संगत में बैठा हो, उनसे देखा जाता हो या अन्य कारण से दूषित हो तो उससे संबंधित रत्न पहनने का अर्थ होगा कि उसकी विघटनकारी, अमंगलकारी शक्ति को उत्प्रेरित करना है। इसके साथ जो शुभ ग्रह है और अन्य कारणों से भी शुभ है तो उसका रत्न पहनना नि॰संदेह उपयोगी होगा, क्योंकि उसकी प्रखरता में वृध्दि होने से संभावित अवरोध भी दूर होंगे। सही रत्न का चुनाव कर शुभ मुहूर्त में अंगूठी बनवाकर व शुभ मुहूर्त में सही उंगली में अंगूठी धारण करने पर ही रत्न लाभकारी होता है।

कई बार एक व्यक्ति दो या दो से अधिक रत्न धारण कर लेते हैं। आजकल तो व्यक्ति पांचों उंगलियों में और एक से अधिक रत्न एक ही उंगली में धारण कर लेते हैं। इससे रत्नों का फल निष्फल या विपरीत भी हो जाता है। योतिष शास्त्रानुसार दो या दो से अधिक रत्नों को धारण करते समय बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। समान तत्व वाली राशियों के स्वामी के तथा मित्र ग्रहों के रत्नों को ही एकसाथ धारण करना चाहिए। शत्रु ग्रहों के रत्नों को धारण करना निषेध है। ग्रहों के लिए निर्धारित उंगलियों में ही रत्न धारण करना चाहिए तभी प्रभावशाली होता है। उदाहरण के तौर पर माणिक अनामिका में, मूंगा तर्जनी-अनामिका में, मोती तर्जनी-अनामिका, पन्ना-कनिष्ठा में, पुखराज-तर्जनी में, हीरा तर्जनी-अनामिका में, नीलम, गोमेद व लसुनिया मध्यमा में धारण करना चाहिए। तर्जनी गुरू की, मध्यमा शनि की, अनामिका सूर्य की तथा कनिष्ठा बुध की उंगलियां मानी गई हैं। रत्न धारण का प्रभाव तभी होता है, जब कौन-सा रत्न धारण करना का सही निर्णय लिया जाए। रत्न निर्दोष होना चाहिए। सही वजन का होना चाहिए। सही धातु में अंगूठी बनवाकर शुभ मुहूर्त में सही उंगली में निषेध रत्नों के साथ न पहनने से ही लाभकारी होता है।

आइए जानते हैं कि किस राशि के ग्रह के रत्न को किस रत्न के साथ नहीं पहनना चाहिए

राशि	ग्रह	रत्न
मेष	मंगल	मूंगा-पन्ना-हीरा
वृषभ	शुक्र	हीरा-मूंगा
मिथुन	बुध	पन्ना-मूंगा-नीलम
कर्क	चन्द्र	मोती-मूंगा
सिंह	सूर्य	माणिक-नीलम-हीरा
कन्या	बुध	पन्ना-मूंगा-नीलम
तुला	शुक्र	हीरा-मूंगा
वृश्चिक	मंगल	मूंगा-पन्ना-हीरा
धनु	गुरू	पुखराज-हीरा-पन्ना
मकर	शनि	नीलम-माणिक-पुखराज
कुंभ	शनि	नीलम-माणिक-पुखराज
मीन	गुरू	पुखराज-हीरा-पन्ना

संक्षिप्त समाचार

कनाडा में गुजराती तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भारतीय भाषा

टोरंटो, एजेंसी। कनाडा में गुजराती भाषा की धूम मची है। गुजराती कनाडा में भारतीय प्रवासियों के बीच तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन गई है। कनाडा के सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 1980 से लगभग 87,900 गुजराती भाषी अप्रवासी कनाडा में बस गए हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 26 फीसद 2016 और 2021 के बीच देश में आए हैं। सबसे ज्यादा पंजाबी लोग हालांकि, सबसे ज्यादा पंजाबी बोलने वाले लोग यहां बसे जिनकी संख्या 75 हजार 475 आंकी गई। उसके बाद हिंदी बोलने वालों की संख्या 35,170 थी। वहीं, गुजराती भाषी 22,935 अप्रवासियों के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि मलयालम 15,440 और बंगाली भाषी 13,835 लोग हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि गुजराती प्रवासियों ने प्रमुख भाषाई समूहों में दूसरी सबसे बड़ी दशकीय वृद्धि दर्ज की है। साल 2011 से 2021 के बीच 26 फीसद की वृद्धि दर्ज हुई है, जबकि पंजाबी बोलने वालों में 22 फीसद की वृद्धि हुई। इसी अवधि के दौरान हिंदी बोलने वालों में 114 फीसद की सबसे तेज वृद्धि देखी गई। गुजरात की एक अन्य भाषा कच्छी भी इस लिस्ट में शामिल है। कच्छी बोलने वालों की संख्या साल 2001 से 2010 के बीच 460 से घटकर 2011 से 2021 के बीच 370 रह गई है। 2011 के बाद गुजरात के लोगों को कनाडा सबसे ज्यादा भाने लगा है।

मेक्सिको में भीषण सड़क हादसा, ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराई बस, 19 लोगों की दर्दनाक मौत

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको के मध्य राज्य जकाटेकास में एक राजमार्ग पर एक बस के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से 19 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना सुबह के समय घटित हुई, जब पीड़ितों को ले जा रही बस, मक्का ले जा रहे एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पिछले हिस्से से टकरा गई। जाकाटेकास के गवर्नर डेविड मोनरियल ने शनिवार को पहले 24 लोगों की मौत की प्रारंभिक रिपोर्ट दी थी, लेकिन बाद में राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने एक बयान में इस संख्या को संशोधित किया। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि वह ट्रैक्टर-ट्रेलर के चालक को गिरफ्तार करने के लिए जांच कर रहा है। नाम न बताने की शर्त पर एक स्थानीय सरकारी अधिकारी ने रॉयटर्स को बताया कि शनिवार की सुबह खड्ड में गिरे कुछ शवों को निकालने के प्रयास जारी थे। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीरों में बचाव दल और सैन्य कर्मियों सहित सुरक्षा बलों को क्षेत्र की सुरक्षा करते हुए दिखाया गया है, जबकि बचाव दल शवों को निकालने का काम कर रहे हैं। बस सियुदाद जुआरेज जा रही थी, जो चिहुआहुआ राज्य में यू.एस.-मेक्सिको सीमा पर स्थित एक शहर है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय के अनुसार, पीड़ितों में प्रवासी शामिल नहीं थे।

अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस और ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर, निर्वाचक मंडल करेगा अंतिम फैसला

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में दो हफ्ते से भी कम का समय बचा है। हालांकि अभी तक अमेरिका में ये तस्वीर साफ नहीं हो सकी है कि आखिर अमेरिकी जनता किसे सत्ता सौंपने जा रही है। ताजा सर्वे में दावा किया गया है कि कमला हैरिस और डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है और लोकप्रिय वोटों के मामले में दोनों को 48-48 फीसदी मत मिले हैं। हैरिस और ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर कुछ समय पहले तक कमला हैरिस, डोनाल्ड ट्रंप पर बढ़त बनाती नजर आ रहीं थी, लेकिन जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे ही ट्रंप और कमला हैरिस के बीच का अंतर भी कम हो रहा है। यही वजह है कि दोनों के बीच कांटे की टक्कर बताई जा रही है और कहा जा रहा है कि नतीजा किसी के भी पक्ष में जा सकता है। यही वजह है कि अमेरिकी की विभिन्न हस्तियां भी खुलकर अपनी पसंद के उम्मीदवारों का समर्थन कर रही है। अमेरिका के फिल्म अभिनेता लियोनार्डो डिकैप्रियो ने भी कमला हैरिस के समर्थन का एलान कर दिया है। इससे पहले मशहूर गायिका टेलर स्विफ्ट भी कमला हैरिस के समर्थन में आ चुकी हैं। वहीं दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क खुलकर ट्रंप का प्रचार कर रहे हैं। बिल गेट्स ने भी कमला हैरिस के प्रचार अभियान को करोड़ों डॉलर का फंड दिया है। अमेरिकी इतिहास के सबसे कड़े चुनाव में से एक अमेरिका के मौजूदा चुनाव को इसके इतिहास के सबसे कड़े चुनाव में से एक बताया जा रहा है। बीते कुछ समय में अमेरिका में काफी कुछ घटा है, जिसमें डेमोक्रेट और रिपब्लिकन उम्मीदवारों के बीच हाई प्रोफाइल बहस, डोनाल्ड ट्रंप पर दो बार जानलेवा हमला हुआ है।

पाकिस्तान में दुष्कर्म की फर्जी खबर फैलाने वालों पर बड़ी कार्रवाई, 16 व्लॉगर्स और टिकटॉकर गिरफ्तार

लाहौर , एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में कॉलेज में दुष्कर्म झूठी खबर फैलने से काफी हिंसा हुई थी, वहीं अब कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक छात्रा से दुष्कर्म के बारे में फर्जी खबरें फैलाने के आरोप में 16 व्लॉगर और टिकटॉकर को गिरफ्तार किया है। पंजाब के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी इमरान किश्वर ने शनिवार को कहा कि पुलिस ने तोड़फोड़ और हिंसा में शामिल 40 छात्रों की पहचान भी की है।

फर्जी खबर फैलने वाले व्लॉगर और टिकटॉकर गिरफ्तार : एक हफ्ते पहले दुष्कर्म की फर्जी खबर फैलने के बाद पंजाब प्रांत में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी। उन्होंने कहा कि संघीय अन्वेषण एजेंसी (एफआईए) और स्थानीय पुलिस ने 16 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें ज्यादातर बलात्कार के बारे में फर्जी खबर फैलने वाले व्लॉगर और टिकटॉकर हैं। उन्होंने कहा कि तोड़फोड़ और हिंसा में शामिल लोगों को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

138 सोशल मीडिया अकाउंट भी ब्लॉक : उन्होंने कहा कि हमने घटना के बारे में फर्जी खबरें फैलाने में इस्तेमाल हुए 138 सोशल मीडिया अकाउंट भी ब्लॉक कर दिए हैं। पिछले हफ्ते लाहौर के एक महिला कॉलेज में एक छात्रा से सुरक्षा कर्मी द्वारा कथित तौर पर दुष्कर्म किए जाने की खबर सोशल मीडिया पर सामने आने के

बाद पंजाब प्रांत के कई शहरों में हुए हिंसक प्रदर्शनों में कम से कम 50 छात्राएं घायल हो गई थीं जबकि एक सुरक्षाकर्मी की मौत हो गई थी। पुलिस ने 600 से ज्यादा छात्रों को हिरासत में भी लिया था।

पाकिस्तान में आत्मघाती विस्फोट में आठ लोगों की मौत : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले में शनिवार को हुए आत्मघाती हमले में छह सुरक्षाकर्मियों समेत आठ लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। इसी प्रांत के बानू जिले में आतंकियों ने पुलिस गश्ती वैन पर हमला किया और बाद में हुई मुठभेड़ में दो आतंकी मारे गए। नवागी क्षेत्र में पुलिस और फ्रंटियर कोर की संयुक्त चौकी पर भी आतंकियों ने हमला किया। ऑटो सवार आत्मघाती हमलावरों ने अफगानिस्तान सीमा पर मीर अली तहसील स्थित असलम चेक पोस्ट और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मार दी। इससे हुए विस्फोट में चार पुलिसकर्मी, दो सैनिकों और दो नागरिकों की मौत हो गई। घायल हुए अन्य लोगों को मीरान शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पूर्व सीनेटर का गेस्टहाउस उड़ाया : आतंकियों ने पूर्व सीनेटर सालेह शाह के गेस्टहाउस को उड़ा दिया। पुलिस ने कहा कि इस घटना में किसी की जान नहीं गई है। दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के तिआरजा तहसील में स्थित गेस्टहाउस शुक्रवार रात विस्फोट में पूरी तरह ध्वस्त हो गया। सीनेटर ने कहा कि उन्हें अज्ञात लोगों से फिरौती के लिए धमकी भरे फोन मिल रहे थे।

फिलीपीन में ट्रामी के कारण भीषण बाढ़ और भूस्खलन, 126 लोगों की मौत

फिलीपीन , एजेंसी। फिलीपीन में उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी के कारण आई भीषण बाढ़ और भूस्खलन से कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई लोग लापता हैं। राष्ट्रपति ने शनिवार को बताया कि इस प्राकृतिक आपदा के कारण कई क्षेत्रों में पहुंचना मुश्किल हो गया है, जिससे लोग फंस गए हैं। सरकार की आपदा-प्रतिक्रिया एजेंसी ने पहले जानकारी दी थी कि शुक्रवार को ट्रामी तूफान के कारण 85 लोगों की मौत हुई और 41 लोग लापता हैं। यह दक्षिण-पूर्व एशियाई द्वीपसमूह में इस साल का सबसे घातक और विनाशकारी तूफान साबित हो रहा है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की संख्या बढ़कर 126 हो गई है और अभी भी कई लोग लापता हैं। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि बाढ़ और भूस्खलन के कारण मृतक संख्या और बढ़ सकती है। फिलीपीन के प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस, अग्निशामक और अन्य आपातकालीन कर्मी राहत और बचाव कार्य में जुटे हुए हैं। राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस ने तूफान ट्रामी के कारण मनीला के दक्षिण-पूर्व में बुरी तरह प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि तूफान के कारण असामान्य रूप से भारी बारिश हुई है और कुछ क्षेत्रों में मात्र 24 घंटों में इतनी बारिश हुई जो आमतौर पर एक से दो महीने में होती है। सरकारी एजेंसी ने बताया कि इस उष्णकटिबंधीय तूफान ट्रामी से 50 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं।

इजरायल-ईरान में छिड़ने वाला है महासंग्राम? यूएस की चेतावनी के बावजूद ईरान पीछे हटने को तैयार नहीं

वाशिंगटन , एजेंसी। इजरायल के ईरान पर हमले के बाद एक बार फिर दोनों देशों में तकरार बढ़ गई है। इजरायल ने 25 अक्टूबर को ईरान के कई सैन्य ठिकानों और मिसाइल निर्माण इकाइयों को निशाना बनाया। इसमें कई ईरानी सैन्य अधिकारियों की मौत की भी खबर है।

मिडिल ईस्ट में छिड़ सकता है बड़ा युद्ध : हमले के बाद अमेरिका ने ईरान को चेतावनी दी है कि वो इजरायल से बदला लेने की न सोचे, लेकिन ईरान बदला लेने पर अड़ा हुआ है। ईरान ने कहा है कि वो अपनी सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाता रहेगा। ईरान के बयान के बाद मिडिल ईस्ट में फिस से बड़ा युद्ध छिड़ने के आसार हो गए हैं। ईरान की धमकी के बाद अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड जे ऑस्टिन ने चेताते हुए कहा कि ईरान को इजरायल के हमलों का जवाब देने से बचना चाहिए, क्योंकि ये बड़ी गलती साबित होगा। अमेरिका ने कहा कि ये दोनों देशों के बीच तनाव को और बढ़ाएगा। इजरायली हवाई हमले के बाद कुछ सैटेलाइट तस्वीरें भी सामने आई हैं। एक अमेरिकी शोधकर्ता ने कहा कि हमले में ईरान की उस इमारत को निशाना बनाया गया जो उसके बंद पड़े परमाणु हथियार विकास कार्यक्रम का हिस्सा थी। दूसरे रिसर्चर ने बताया कि उन इमारतों को भी निशाना बनाया गया जहां ईरान बैलिस्टिक मिसाइलों के लिए सॉलिड फ्यूल मिलाने के लिए इस्तेमाल करता है।

जर्मनी ने भारतीय कुशल श्रमिकों के लिए वीजा कोटा 350प्रतिशत बढ़ाकर 90,000 किया

बर्लिन, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि जर्मनी ने कुशल भारतीय पेशेवरों के लिए अपना वार्षिक वीज़ा कोटा 20,000 से बढ़ाकर 90,000 कर दिया है, जो 3.5 गुना वृद्धि दर्शाता है। इस कदम के बारे में आशा व्यक्त करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि बढ़ा हुआ वीज़ा कोटा जर्मनी की कुशल श्रम की मांग को संबोधित करके उसकी आर्थिक वृद्धि को बढ़ाएगा और दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को भी मजबूत करेगा। नतीजतन, भारतीय पेशेवरों को जर्मनी में अधिक रोजगार के अवसर मिलेंगे।

पीएम मोदी ने दिल्ली में 18वें एशिया-प्रशांत सम्मेलन जर्मन बिजनेस 2024 में यह टिप्पणी की, जो जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज की भारत यात्रा के बाद हुआ। इससे पहले दोनों नेताओं ने राष्ट्रीय राजधानी में पीएम मोदी के आधिकारिक आवास पर आमने-सामने की बैठकें कीं। स्कोल्ज़ की तीन दिवसीय भारत यात्रा शनिवार को समाप्त हो रही है।

आज बाद में भारत और जर्मनी 7वें अंतर-सरकारी परामर्श का भी आयोजन करेंगे, जिसकी सह-अध्यक्षता दोनों नेता करेंगे। इस दौरान सुरक्षा और रक्षा साझेदारी बढ़ाने, प्रतिभाओं की गतिशीलता बढ़ाने और आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा होगी। प्रधानमंत्री मोदी ने सम्मेलन में कहा- यह वर्ष भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी का 25वां

वर्ष है। अब आने वाले 25 वर्ष इस साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। हमने आने वाले 25 वर्षों में भारत के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया है।

दिल्ली में अपने कार्यक्रमों के बाद शोल्ज दो जर्मन नौसैनिक जहाजों, फ्रिगेट बाडेन-वुर्टेमबर्ग और सहायक जहाज फ्रैंकफर्ट एम मेन का स्वागत करने के लिए गोवा की यात्रा भी करेंगे। यह परियोजना जर्मनी की इंडो-पैसिफिक तैनाती का एक हिस्सा है। शोल्ज की वर्तमान यात्रा 2021 में पदभार ग्रहण करने के बाद से उनकी तीसरी भारत यात्रा है। इससे पहले वे सितंबर 2023 में जी20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए नई दिल्ली आए थे।

खालिस्तानी उग्रवादी समूहों से जुड़ी घटनाओं ने कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ाई

टोरंटो एजेंसी। हाल के हफ्तों में, खालिस्तानी उग्रवादी समूहों से जुड़े घटनाओं ने कनाडा में सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। इसने देश की प्रसिद्ध बहुसांस्कृतिक व्यवस्था पर बहस को जन्म दिया है। एडमोंटन से सांसद चंद्र आर्य ने इस मुद्दे पर एक संसदीय बयान दिया। उसने एक चिंताजनक व्यक्तिगत अनुभव साझा किया, जिसमें कहा, दो हफ्ते पहले, मैं एडमोंटन में एक हिंदू कार्यक्रम में केवल आरसीएमपी (रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस) अधिकारियों की सुरक्षा के साथ भाग ले सका, क्योंकि खालिस्तानी विरोधियों ने मेरे खिलाफ प्रदर्शन किया था।आर्य ने स्थिति की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा, कनाडा में, हमने लंबे समय से खालिस्तानी उग्रवाद की समस्या को पहचाना और अनुभव किया है। कृपया स्पष्ट कर दूं। कनाडा की संप्रभुता का सम्मान करना अनिवार्य है और यहां विदेशी हस्तक्षेप किसी भी रूप में अस्वीकार्य है। खालिस्तानी उग्रवाद के कारण पैदा होने वाली चुनौतियों को स्वीकार किया है। आर्य ने आरसीएमपी की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा,

खालिस्तानी उग्रवाद कनाडा की समस्या है और आरसीएमपी ने कहा है कि राष्ट्रीय कार्यबल इस पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। यह कार्यबल देश में काम कर रहे विभिन्न उग्रवादी समूहों के द्वारा उत्पन्न खतरों को रोकने और संबोधित करने के प्रयास में है। विशेषज्ञों का मानना है कि उग्रवाद और आतंकवाद अंतरराष्ट्रीय मुद्दे हैं जो राष्ट्रीय सीमाओं को नहीं मानते। उग्रवादी विचारधाराएं आसानी से सीमाओं को पार कर सकती हैं। हमारी जुड़ी हुई दुनिया में, डॉ. माया सिंह, टोरंटो विश्वविद्यालय की एक आतंकवाद-निरोधक विश्लेषक ने कहा। कनाडा की विविधता इसकी ताकत है, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए मजबूत तंत्र की आवश्यकता है कि उग्रवादी तत्व सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक समरसता को कमजोर न करें। खालिस्तानी गतिविधियों में हालिया वृद्धि ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए अधिक सतर्कता की मांग की है। आर्य ने कनाडाई अधिकारियों से अपील की, मैं हमारे कानून प्रवर्तन एजेंसियों से कहता हूँ कि इस मुद्दे को पूरी गंभीरता के साथ लें। समुदाय के नेताओं ने शांति बनाए रखने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। जब हम किसी भी प्रकार के हिंसा या उग्रवाद की निंदा करते हैं, तो यह जरूरी है कि हम समुदाय के सदस्यों के साथ संवाद करें ताकि उन मुद्दों को समझा जा सके जो ऐसे आंदोलनों को बढ़ावा देते हैं, कहा हरप्रीत कौर ने, एडमोंटन सिख समुदाय परिषद के प्रवक्ता ने। जैसे-जैसे कनाडा इन चुनौतियों से जूझता है, सवाल उठता है कि क्या यह देश अपनी सुरक्षा और समावेशिता के मूल्यों को कायम रख सकेगा जो इसके लिए जाना जाता है। आर्य ने एक प्रश्न उठाते हुए कहा, क्या यह वह कनाडा है जिसे हम सभी जानते हैं? यह सवाल उन लोगों के लिए एक साझा भावना है जो चिंतित हैं।

पाकिस्तान में पुलिस वैन पर हमले के बाद मुठभेड़ में 2 आतंकवादी ढेर

पेशावर , एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों ने शनिवार को एक पुलिस मोबाइल वैन पर हमला कर दिया और इस दौरान जवाबी कार्रवाई में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने बताया कि आतंकवादियों ने बन्नू जिले में छावनी पुलिस थाने के तहत आने वाले क्षेत्र में गश्त पर गयी वैन पर घात लगाकर हमला कर दिया। इसके बाद हुई मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। हमले में कोई पुलिस अधिकारी हताहत नहीं हुआ।

प्राधिकारियों ने मृतक आतंकवादियों की शिनाख्त कर ली है। एक अन्य घटना में प्रांत के बजौर जिले के नवागई इलाके में पुलिस और अर्द्धसैन्य फ्रंटियर कोर की एक संयुक्त चौकी पर हमला किया गया। बहरहाल, हमले को विफल कर दिया गया और इसमें कोई हताहत नहीं हुआ। एक और घटना में जमीयत-ए-उलेमा-इस्लाम (जेयूआई-एफ) से संबद्ध हाजी शरीफुल्ला की बन्नू जिले में अज्ञात बंदूकधारियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में बड़ा आत्मघाती हमला, आठ लोगों की मौत : पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को एक पुलिस चौकी को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती हमले में कानून

प्रवर्तन एजेंसियों के छह कर्मियों सहित कम से कम आठ लोग मारे गए और कई अन्य लोग घायल हो गए। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, यह विस्फोट अफगानिस्तान की सीमा से लगे उत्तरी वजीरिस्तान कबायली जिले के मीर अली तहसील में असलम जांच चौकी पर हुआ। सूत्रों ने बताया कि तीन पहिया वाहनों पर सवार होकर आए हमलावरों ने जांच चौकी और सुरक्षा बलों के वाहनों को टक्कर मारी, जिसमें कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई। सूत्रों के मुताबिक, मारे गये लोगों में चार पुलिसकर्मी, दो सैनिक और दो नागरिक शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि विस्फोट में कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिन्हें मीरान शाह अस्पताल में भर्ती कराया गया। सूत्रों के अनुसार, हताहतों की संख्या बढ़ सकती है। अभी तक किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

क्या है साल्ट टाइफून, निशाने पर ट्रंप और कमला हैरिस; अमेरिका के खिलाफ चीन ने चली नई चाल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में अगले महीने चुनाव होने हैं। इस बीच खबर आई है कि चीनी हैकर्स ने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रनिंग मेट ओहियो सीनेटर जेडी वेंस के फोन को निशाना बनाया है। अमेरिका का दावा है कि यह हमला चीन के साइबर जासूसी समूह द्वारा किया गया था, जिसे साल्ट टाइफून के नाम से जाना जाता है। जानकारी के मुताबिक, निशाने पर ट्रंप के अलावा, डेमोक्रेट, कैपिटल हिल के प्रमुख व्यक्ति और संभवतः उपराष्ट्रपति कमला हैरिस के कैंपेन से जुड़े स्टाफ सदस्य भी हैं। हालांकि, अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं हो पाई है कि हैकर्स क्या कुछ खुफिया जानकारी निकालने में सफल रहे या नहीं? वहीं, दूसरी ओर चीनी दूतावास की ओर से ऐसी किसी भी गतिविधि में शामिल होने से इनकार किया गया है। यह पता लगाया जा रहा है कि कौन से डाटा को निशाना बनाया गया है। क्या है साल्ट टाइफून का मतलब माइक्रोसॉफ्ट की साइबर सुरक्षा टीम ने चीनी हैकर्स ग्रुप को साल्ट टाइफून नाम दिया है। इस हैकर्स ग्रुप को चीनी सरकार द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। गौरतलब है कि इस ग्रुप का मकसद पारंपरिक हैकिंग या कॉरपोरेट डाटा चुराना नहीं है बल्कि ये ग्रुप खुफिया जानकारी चुराने के लिए जाना जाता है। साल्ट टाइफून, अमेरिकी संपत्तियों की जानकारी भी इकट्ठा करने के लिए जाना जाता है। खुफिया

जानकारी चुराने वाली चीनी हैकर्स ग्रुप को साल्ट नाम दिया गया है। वहीं, चीन के हैकर्स को माइक्रोसॉफ्ट ने टाइफून नाम दिया है। इसी तरह माइक्रोसॉफ्ट ने ईरान के हैकर्स को सैंडस्टोर्म, रूस के हैकर्स को ब्लिजार्ड नाम दिया है। ट्रंप के फोन को हैक करने की रची गई साजिश राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उसके साथी द्वारा उपयोग किए जाने वाले फोन के डाटा की जानकारी चीन के लिए बेहद मूल्यवान साबित हो सकती है। इस प्रकार का डाटा तब और भी उपयोगी हो सकता है, अगर रियल टाइम में इसका अवलोकन कर सकें। अधिकारियों ने कहा कि ट्रंप कैंपेन टीम को इस सप्ताह अवगत कराया गया था कि रिपब्लिकन राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार और उनके रनिंग मेट के फोन नंबरों को निशाना बनाया गया था। यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि क्या हैकर्स की पहुंच टेक्स्ट संदेशों तक हो पाई। विशेष रूप से एन्क्रिप्टेड चैनलों के माध्यम से भेजे गए संदेशों तक। ट्रंप और हैरिस के बीच कांटे की टक्कर न्यूयार्क टाइम्स द्वारा किए गए सर्वे के अनुसार, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों 48 प्रतिशत के साथ बराबरी पर हैं। इस बीच, एक अपील अदालत ने मिसिसिपी की ओर से मेल द्वारा प्राप्त मतपत्रों की गिनती के लिए पांच दिन की छूट को लेकर कहा कि चुनाव वाले दिन के बाद प्राप्त मेल-इन मतपत्रों की गिनती अवैध है। हालांकि, मिसिसिपी की प्रक्रियाओं में तत्काल कोई बदलाव का आदेश नहीं दिया और आगे का निर्णय निचली अदालत पर छोड़ दिया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

4 हजार करोड़ के बैंक फॉड मामले में एक्शन

-ईडी ने प्रमोटर्स की 503 करोड़ की संपत्तियां जब्त कीं

नागपुर । प्रवर्तन निदेशालय नागपुर ने 4,037 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी केस में 5 राज्यों में कार्रवाई की है। एजेंसी ने महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और आंध्र प्रदेश में 503.16 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की हैं। ये संपत्तियां 24 अक्टूबर को जब्त की गई थीं। इसके साथ ही जब्त की गई कुल संपत्ति लगभग 727 करोड़ रुपए हो गई है। मामला कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और उनके प्रमोटर्स, डायरेक्टर्स मनोज जायसवाल, अभिजीत जायसवाल, अभिषेक जायसवाल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप के तहत हुई जांच से जुड़ा है। कुर्क संपत्तियों में बैंक बैलेंस, म्यूचुअल फंड, शेयर, कॉरपोरेट पावर लिमिटेड और मनोज कुमार जायसवाल और उनके परिजन के अलावा कई शेल कंपनियों के नाम ली गई प्रॉपर्टी शामिल हैं।

ब्याज समेत 11 हजार करोड़ से ज्यादा का हेर-फेर

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराई थी। यूनियन बैंक के मुताबिक आरोपियों ने लोन लेने के लिए प्रोजेक्ट डीटेल में हेरफेर की और इसके बाद बैंक के फंड को डायवर्ट किया था। इसके चलते बैंक को 4,037 करोड़ रुपए, ब्याज समेत 11,379 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इससे पहले इस मामले में ईडी ने नागपुर, कोलकाता और विशाखापत्तनम में कई जगह तलाशी अभियान चलाकर आपत्तिजनक दस्तावेज जब्त किए थे। ईडी ने अपराध की आय भी जब्त की थी। जिसमें 223.33 करोड़ रुपए के लिस्टेड शेयर और सिक्योरिटी, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और बैंक बैलेंस शामिल थे। साथ ही 55.85 लाख रुपए की नकदी भी जब्त की थी।

अखनूर में 3 आतंकी मारे गए, बह आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी, 5 घंटे चले एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने मार गिराया

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अखनूर में सोमवार को सुरक्षाबलों ने 3 आतंकियों को मार गिराया। सुबह 7:26 बजे लाइन ऑफ कंट्रोल के पास भट्टल इलाके में इन आतंकियों ने आर्मी एंबुलेंस पर फायरिंग की थी। हालांकि इसमें जान-माल का कोई नुकसान नहीं हुआ। आतंकी फायरिंग के बाद जंगल की ओर भाग गए थे। सेना ने इलाके को घेर कर सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 5 घंटे की मशक्कत के बाद तीनों आतंकियों को ढेर कर दिया। इससे पहले 24 अक्टूबर को बारामूला में सेना की गाड़ी पर आतंकियों ने हमला किया था, जिसमें 3 जवान और 2 पोर्टर की जान गई थी।

मंदिर में मोबाइल ढूंढ रहे थे आतंकवादी

सुरक्षाबलों ने बताया कि, आतंकवादी भट?टल इलाके में जंगल से लगे शिव आसन मंदिर में एक मोबाइल ढूंढ रहे थे। उन्हें किसी को कॉल करनी थी। इसी दौरान आर्मी की एंबुलेंस गुजरी और आतंकवादियों ने फायरिंग शुरू कर दी। बताया जा रहा है कि आतंकवादी पिछली रात बॉर्डर पार करके अखनूर में आए थे।

महाराष्ट्र के साथ बड़ा भेदभाव कर रहे हैं मोदी : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी महाराष्ट्र के साथ भेदभाव कर रहे हैं और देश की आर्थिक राजधानी को गुजरात के बड़ोदरा में स्थानांतरित करने के लिए काम कर रहे हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने सोमवार को यहां एक बयान में कहा कि टाटा की एयरबस बनाने के महाराष्ट्र के नागपुर में लगने वाली फैक्ट्री का श्री मोदी ने वडोदरा से उद्घाटन कर आर्थिक राजधानी को बदलने का संकेत दे कर उन्होंने महाराष्ट्र के घावों पर नमक छिड़कने का काम किया है, लेकिन अब भेदभाव की राजनीति नहीं होने दी जाएगी। श्री खेड़ा ने प्रधानमंत्री से पूछा फ्रमोदी जी। महाराष्ट्र से भेदभाव क्यों। नागपुर में लगने वाले टाटा एयरबस सी- 295 फैसिलिटी का वडोदरा में उद्घाटन कर महाराष्ट्र के ज़ख्म पर नमक छिड़क रहे हैं। देश की आर्थिक राजधानी गुजरात ले जाने की साज़िश की जा रही है।' उन्होंने कहा, 'आपकी सरकार के दबाव में गुजरात भेजे गये 17 बड़े उद्योग। वेदांता फॉक्सकॉन सेमीकंडक्टर प्लांट से लेकर टाटा एयरबस यही नहीं, इंटरनेशनल फायनेंशियल सर्विसेज़ सेंटर (आईएफएससी), डॉयमंड ट्रेड सेंटर, बल्क ड्रग पार्क वगैरह, वगैरह भी महाराष्ट्र से छीन लिए गए। भेदभाव और बंटवारे की सियासत अब नहीं चलेगी।'

पांच साल के मासूम बेटे का कत्ल कर पिता ने खुद को लगाई आग

चित्रकूट । चित्रकूट जिले में एक पिता ने रात में मासूम के रोने से इस कदर गुस्सा हुआ कि तेजधार हथियार से अपने ही बेटे को मौत की नींद सुला दी, इसके बाद खुद को आग लगा ली। यह घटना चित्रकूट जिले के मऊ थाना क्षेत्र के दुवारी गांव की है। पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अपने हाथों से अपने मासूम बेटे की जान ले ली। आरोपी की पहचान 35 राजकुमार निषाद के तौर पर हई है, जबकि उसका बेटे का नाम सत्यम था, जो महज पांच साल का था। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने अपने पांच वर्षीय बेटे की गर्दन कुल्हाड़ी से काटकर उसकी हत्या कर दी और फिर अपने घर के अंदर खुद को भी आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि रविवार की देर शाम को आरोपी पिता ने इस वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और फिर अस्पताल पहुंचाया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि रात में जब वह सो रहा था तो उसके रोने पर उसे गुस्से आ गया। उसी गुस्से में उसने आपा खो दिया और अपने बेटे की हत्या कर दी। मऊ क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक राजकरन ने बताया कि आग लगाने के बाद आरोपी ने शोर मचाया, जिसके बाद पड़ोसियों ने किसी तरह कमरे का दरवाजा खोला और राजकुमार को बचाया। उन्होंने बताया कि हत्या में इस्तेमाल की गई कुल्हाड़ी भी बरामद कर ली गई है और आरोपी राजकुमार से घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुति' के 'महादुखी' काल का अंत होगा-अखिलेश यादव

लखनऊ (एजेंसी)। विपक्षी दलों के समूह 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) के प्रमुख घटक दल समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को दावा किया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में संयुक्त और संगठित राजनीतिक रणनीति से भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली 'महायुति' के 'महादुखी' काल का अंत होगा।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर महाराष्ट्र के निवासियों और मीडियाकर्मियों को संबोधित एक अपील में सपा प्रमुख यादव ने महाराष्ट्र चुनाव में महायुति के खिलाफ एकजुटता दिखाने का आह्वान करते हुए दावा किया, ''संयुक्त और संगठित राजनीतिक रणनीति से भाजपा के नेतृत्व वाली 'महायुति' के 'महादुखी' काल का अंत होगा।'' उन्होंने इस अपील के सबसे अंत में प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा, ''महाराष्ट्र के दुश्मनों को हराने के लिए और सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए वचनबद्ध और संकल्पबद्ध-आपका अखिलेश।'' अपने पोस्ट की शुरुआत में अखिलेश यादव ने कहा, ''प्रिय महाराष्ट्रवासियो और मीडियाकर्मियो, आपकी जागरुकता से महाराष्ट्र विधानसभा का चुनाव 'महाराष्ट्र' को भाजपा की साजिशों से भरी तोड़-फोड की नकारात्मक राजनीति और सांप्रदायिक सियासी दांव पेचों से मुक्ति दिलाएगा।''

उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा, ''संयुक्त विपक्ष की सकारात्मक रणनीति और परस्पर समायोजन को भाजपा की नकारात्मक राजनीति समझ ही नहीं पा रही है। महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था को धीरे-धीरे खत्म करने के भाजपाई षड्यंत्र का खुलासा महाराष्ट्र की जनता के सामने हो गया है।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा ने महाराष्ट्र के समाज के ऐतिहासिक सौहार्द और भाईचारे को भी तोड़ा है और राजनीतिक दलों को भी। भाजपा चाहती है कि महाराष्ट्र को आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक रूप से इतना कमजोर कर दिया जाए कि महाराष्ट्र के हाथ से देश के आर्थिक नेतृत्व की लगाम छीनकर किसी और के हाथ में दी जा सके।''

फर्जीवाड़े में पूजा खेड़कर पिता भी निकले कई गुना आगे, तलाकशुदा या शादीशुदा?

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेड़कर के कथित जाति प्रमाण पत्र फर्जीवाड़े के मामले के बाद उनके पिता, दिलीप खेड़कर, अब एक नए विवाद में फंस गए हैं। दिलीप खेड़कर ने आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए अहमदनगर दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में नामांकन पत्र दाखिल किया है, जिसमें उन्होंने खुद को तलाकशुदा बताया है। लेकिन, उनके पूर्व चुनावी हलफनामों में उन्होंने खुद को शादीशुदा बताते हुए पत्नी मनोरमा खेड़कर के साथ संयुक्त संपत्तियों का विवरण दिया था। यह कथन उनकी पारिवारिक स्थिति पर सवाल उठा रहा है।

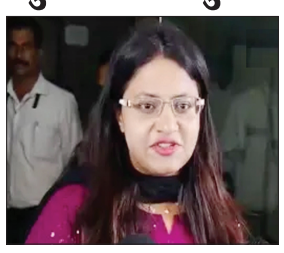

दरअसल, मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दिलीप और मनोरमा खेड़कर का तलाक जून 2010 में ही हो चुका था। 2009 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक के लिए पुणे की फैमिली कोर्ट में अर्जी दी थी, जिसके बाद एक साल में तलाक मंजूर हुआ। इसके बावजूद, 2019 के लोकसभा चुनाव के हलफनामे में दिलीप ने मनोरमा को अपनी पत्नी बताते हुए संपत्ति विवरण साझा किया और उनके निवास को अनडिवाइडेड हिन्दू फैमिली बताया। इसी के साथ, तलाक के बाद भी दोनों एक ही घर में साथ रहे हैं, जिससे उनकी पारिवारिक स्थिति पर और भी संदेह उत्पन्न होता है।

यह विवाद ऐसे समय पर उठा है जब दिलीप खेड़कर राजनीति में सक्रिय हो रहे हैं, वहीं उनकी बेटी पूजा खेड़कर पर भी गलत जाति प्रमाण पत्र के आधार पर यूपीएससी परीक्षा पास करने और आईएएस की ट्रेनिंग प्राप्त करने के आरोप लगे हैं। पूजा पर दिल्ली में धोखाधड़ी का मामला दर्ज है और दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच इसकी जांच कर रही है। दिलीप खेड़कर के चुनावी हलफनामे में दिए गए वैवाहिक स्थिति के विरोधाभास से लोगों के मन में संदेह पैदा हुआ है। चुनावी दस्तावेज़ों में सत्यता और पारदर्शिता का महत्व है, और ऐसे में खेड़कर परिवार की यह स्थिति एक बड़ा सवाल खड़ा कर रही है।

बीजेपी अकेले सरकार नहीं बना सकती, बड़ी पार्टी जरुरी बन सकती है

-विधानसभा चुनाव के बीच देवेंद्र फडणवीस के बयान से चुनावी माहौल गर्माया

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के मद्देनजर राजनीतिक सरगर्मियां तेज हो गई हैं। महायुति और महा विकास अघाड़ी दोनों पार्टियां अपनी-अपनी तैयारियों में जुटी हैं। इसी बीच बीजेपी के वरिष्ठ नेता और राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के बयान ने चुनावी माहौल को और गर्मा दिया है। फडणवीस ने कहा कि बीजेपी राज्य में अकेले सरकार नहीं बना सकती, लेकिन सबसे ज्यादा वोट और सीटें हासिल कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर जरुर उभरेगी। उन्होंने दावा किया कि महायुति गठबंधन को चुनाव में स्पष्ट बढ़त मिलेगी और इस गठबंधन के दम पर ही सरकार बनाएगी।

फडणवीस ने साफ कहा कि बीजेपी, शिवसेना (शिंदे गुट), और एनसीपी (अजीत गुट) के साथ मिलकर एक मजबूत महायुति गठबंधन बना है जो चुनाव में निर्णायक बहुमत हासिल करेगा। उन्होंने कहा कि गठबंधन की सफलता तय करने बीजेपी को अपने उम्मीदवारों के चयन में समायोजन करना पड़ा है। फडणवीस ने बताया कि गठबंधन में तालमेल जरूरी है और इसमें कई उम्मीदवारों को टिकट न मिलने पर दुःख होता है, लेकिन यह चुनावी रणनीति का हिस्सा है।

फडणवीस के बयान साफ हो गया है कि बीजेपी को अकेले चुनावी जीत की बजाय गठबंधन पर भरोसा है। महाराष्ट्र में कुल 288 सीटों के लिए हो रहे चुनाव में बीजेपी ने अब तक 121 उम्मीदवारों की घोषणा की है। वहीं, शिवसेना (शिंदे गुट) और एनसीपी (अजित गुट) भी ज्यादातर सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषण कर चुके हैं।

वहीं महाविकास अघाड़ी (एमवीए), जिसमें शिवसेना (उद्धव गुट), एनसीपी (शरद पवार गुट), और कांग्रेस शामिल हैं ने भी ज्यादातर सीटों पर अपने उम्मीदवारों का ऐलान कर दिया है। एमवीए का कहना है कि इस चुनाव में वह महायुति को कड़ी चुनौती देंगे। महायुति और एमवीए के बीच यह चुनाव एक टक्कर में तब्दील हो रहा है।

फडणवीस का बयान बताता है कि बीजेपी राज्य में अकेले चुनाव लड़ने के बजाय महायुति के सहयोग से चुनावी मैदान में उतरना चाहती है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह फैसला महाराष्ट्र के जटिल राजनीतिक समीकरणों को ध्यान में रखते हुए लिया है। महायुति का लक्ष्य है कि वे बहुमत हासिल कर महाराष्ट्र की सरकार का नेतृत्व कर सकें। महायुति और एमवीए के बीच की कड़ी टक्कर में कौन बाजी मारेगा, यह देखने बड़ा दिलचस्प होगा।

विदेश मंत्री जयशंकर का स्टूडेंट्स को सुझाव: अंतरराष्ट्रीय मामलों की हासिल करें जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चाहे पढ़ाई का विषय कोई भी हो, छात्रों को वैश्विक घटनाओं और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के बारे में अपडेट रहना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मामलों की जानकारी

हासिल करने पर स्टूडेंट्स को ध्यान देना चाहिए। यह सुझाव विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने स्टूडेंट्स से बात करते हुए दिए। उन्होंने इस मौके पर अपने पिता से मिली प्रेरणा का जिक्र किया। जयशंकर ने कहा कि आज के सूचना युग में हर तरह की जानकारियां आसानी से उपलब्ध हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रही गतिविधियों को समझना आसान हो गया है। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि सजग युवा देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत पहचान दिला सकते हैं। उन्होंने कहा, आप चाहें अंतरराष्ट्रीय संबंधों की पढ़ाई करें या नहीं, लेकिन आपको इस बारे में अच्छी तरह वाकिफ रहने की जरूरत है। दुनिया हमारे दरवाजे पर है, यह अच्छा भी है और बुरा भी। विदेश मंत्री ने कोविड-19 महामारी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे एक घटना जो चीन में हुई लेकिन पूरी दुनिया को प्रभावित किया। उन्होंने छात्रों को विश्व में हो रही गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें आकार देने के लिए प्रेरित किया। जयशंकर ने अपनी शिक्षा और

कूटनीति के क्षेत्र में यात्रा का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि कैसे उनके पिता ने उन्हें व्यावहारिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों में करियर बनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा, मैंने अंतरराष्ट्रीय संबंधों में मास्टर डिग्री की थी, लेकिन मेरे पिता ने मुझसे पूछा कि क्या मैं वही अध्ययन करना चाहता हूं जो अन्य लोग कर रहे हैं या कुछ नया करना चाहता हूं। उनके इस सवाल ने मेरे करियर के दिशा-निर्धारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जयशंकर ने युवाओं से आग्रह किया कि वे वैश्विक मामलों में गहराई से जुड़ें। हमें दर्शक नहीं बनना चाहिए, हमें खेल का मैदान नहीं बनना चाहिए, बल्कि हमें एक खिलाड़ी बनना होगा। विदेश मंत्री के इस संदेश ने छात्रों को प्रेरित किया कि वे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से अवगत रहें और अपनी पढ़ाई के साथ-साथ वैश्विक संदर्भों में भी रुचि विकसित करें।

ओवैसी पर भड़के गिरिराज सिंह, कहा- हिंदुओं में अफ़वाह मत फैलाइए

पटना (एजेंसी)। असदुद्दीन ओवैसी पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता गिरिराज सिंह भड़क गए हैं। उन्होंने ओवैसी पर पर हिंदुओं में अफ़वाह मत फैलावे का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि ओवैसी जैसे लोग अफ़वाह और भ्रम फैलाते हैं कि मुसलमान आने वाले 80-90 सालों में भी हिंदुओं की बराबरी नहीं कर पाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि हिंदुओं में अफ़वाह मत फैलाइए। 1951 में उनकी संख्या 2.5 से 2.8 करोड़ थी। आज सरकारी आंकड़ों के हिसाब से आप 17 करोड़ हैं, अघोषित आंकड़े कहते हैं कि आप 25 करोड़ हैं।

भाजपा नेता ने कहा कि हिंदू 30 करोड़ से बढ़कर 90 करोड़ हो गए। हम तीन गुना बढ़ गए, जबकि आपकी जनसंख्या 7 गुना बढ़ गई। इससे पहले असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के खिलाफ किशनगंज में उनकी 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' के दौरान की गई विवादित टिप्पणी को लेकर शिकायत दर्ज कराई है। एआईएमआईएम ने वरिष्ठ भाजपा नेता के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करते हुए किशनगंज कोर्ट में उनके खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

रैली के दौरान की गई अपनी टिप्पणी को लेकर केंद्रीय मंत्री को खासकर मुस्लिम समुदाय से भारी विरोध का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद यह कार्रवाई की गई। केंद्रीय मंत्री ने 22 अक्टूबर को किशनगंज में 'हिंदू स्वाभिमान यात्रा' निकाली। लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा नेता ने लोगों से अपने घरों में ÷भाले, तलवार और त्रिशूल÷ का भंडार रखने का आग्रह किया, जिसका इस्तेमाल देवताओं की पूजा और ÷आत्मरक्षा÷ के लिए किया जा सके।

हिमाचल के कालापानी में सीएम सुक्खू ने गुजारी रात, ऐसा करने वाले पहले सीएम

-रिटायर्ड शिक्षक के घर पर रात गुजारी

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने अपने हालिया दौरे में डोडरा क्वार में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। वे पहले मुख्यमंत्री बने हैं, जिन्होंने इस दुर्गम क्षेत्र में रात बिताकर कई मिथक को तोड़ दिया। डोडरा क्वार को अक्सर कालापानी के नाम से जाना जाता है, और यह क्षेत्र शिमला जिले में स्थित है। यहां पहुंचना और रुकना दोनों ही बेहद चुनौतीपूर्ण माने जाते हैं। सीएम सुक्खू ने लोगों से मिलने और उनकी संस्कृति को समझने के लिए हरदयाल खेपन नामक रिटायर्ड शिक्षक के घर पर रात बिताई। वे शनिवार शाम को करीब 7:45 बजे उनके घर पहुंचे, जहां परिवार के लोगों ने

सीएम सुक्खू का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने अलाव के पास बैठकर परिवार से बातचीत की और स्थानीय परंपराओं के बारे में जानकारी ली।

इस दौरान, उन्होंने सरकार आपके दरवाजे कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में आठ गांवों की महिलाओं ने मिलकर पारंपरिक भोजन तैयार किया, इसमें स्थानीय व्यंजन जैसे सिड्डू, ओगला, चियौन (स्थानीय मशरूम) और राजमा की सब्जी शामिल थी। इस मौके पर, उन्होंने पारंपरिक बेटू और कोड़ा रोटी का भी आनंद लिया। सुक्खू के स्वागत में गांव की महिलाओं की मेहनत को सभी ने सराहा, और लोगों ने कहा कि मुख्यमंत्री की मेजबानी हमारे लिए गर्व की बात है, क्योंकि ऐसा पहले कभी नहीं हुआ। रविवार की सुबह, उन्होंने ढांडारवाड़ी- दूसरे महिला मंडल की महिलाओं के साथ नाश्ता किया, जो इस क्षेत्र की स्थानीय संस्कृति और परंपराओं का प्रतीक है।

सीएम सुक्खू का यह कदम न केवल राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि यह दर्शाता है कि सरकार अब दूरदराज के इलाकों में भी अपनी उपस्थिति और संवाद स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाराष्ट्र चुनाव : शरद पवार गुट मेरे भतीजे युगेंद्र को चुनाव लड़ाकर गलती कर रहा : अजीत पवार

मुंबई । महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है। उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने बारामती विधानसभा सीट से अपना नामांकन दाखिल करते हुए कहा, मैंने अपनी पत्नी सुनेत्रा पवार को लोकसभा में उतारकर गलती की थी। अब शरद पवार गुट ने मेरे भतीजे युगेंद्र पवार को उतारकर वही गलती दोहरा दी है। बारामती विधानसभा सीट पर इस बार चुनाव और भी दिलचस्प हो गया है क्योंकि एनसीपी प्रमुख शरद पवार के गुट ने अजीत पवार के खिलाफ उनके भतीजे युगेंद्र पवार को उम्मीदवार के तौर पर उतारा है। युगेंद्र पवार, अजीत पवार के छोटे भाई श्रीनिवास पवार के बेटे हैं और पहली बार चुनावी मैदान में उतरे हैं।

अजीत ने माना सुप्रिया के खिलाफ पत्नी को लड़ाकर गलती की थी

अजीत पवार ने ऐसा कहकर पारिवारिक मतभेदों और आंतरिक संघर्षों की तरफ इशारा किया है। उनके अनुसार, जैसे उन्होंने लोकसभा चुनाव में अपनी पत्नी को सुप्रिया सुले के खिलाफ खड़ा करके एक गलती की थी, उसी तरह शरद पवार ने युगेंद्र पवार को उम्मीदवार बनाकर उसी राह पर चलने का चुनावी जोखिम उठाया है। पिछले लोकसभा चुनाव में सुप्रिया सुले ने सुनेत्रा पवार को हराया था। जबकि 2019 के विधानसभा चुनाव में अजीत पवार ने इस सीट पर बड़ी लीड के साथ जीत दर्ज की थी। लेकिन अब पार्टी में बंटवारे के बाद बारामती की जनता एक बार फिर चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने जा रही है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)